RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 259 , मंगलवार, 03 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



80 वर्ष पूरे होने पर पेंशन में 20% वृद्धि, पांच महीने का बकाया भी मिला, लोक शिकायत ... 03



नशामुक्ति का संदेश घर-घर पहुंचाएंगी जीविका दीदियां 04

भरोसाही मेरा घमंड, जब वो टूट गया नाः ईठा का धांसू ट्रेलर रिलीज... 07

दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ दो दिन जला सकेंगे पटाखे

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए निर्देश, ग्रीन पटाखे की दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। शीर्ष अदालत ने 7 और 8 नवंबर को ग्रीन पटाखे जलाने की परमीशन दे दी है। हालांकि, इसके लिए समय की पाबंदी लागू रहेगी। इन दोनों दिनों में सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखे जलाए जा सकेंगे। 9 नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में किसी भी तरह के पटाखे नहीं जलाए जा सकेंगे। अदालत के निर्देशों के मुताबिक, इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी।



पटाखे जलाने का समय किया तय

कोर्ट के आदेश के अनुसार, लोग केवल सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे जला सकेंगे। इसके अलावा अन्य किसी भी समय पटाखे जलाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया है कि कुछ संस्थानों के 300 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का पटाखा नहीं जलाया जाएगा। इनमें अस्पताल और नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्र, वृद्धाश्रम, नोटिफाइड साइलेंस जोन (प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा चिह्नित शांत क्षेत्र) शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उपर्युक्त सभी संवेदनशील स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों (स्कूल-कॉलेजों) को अनिवार्य रूप से नो-क्रैकर जोन घोषित किया जाएगा। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि इन इलाकों की उचित बैरिकेडिंग व मार्किंग की जाए और आम जनता की जानकारी के लिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि नियमों का उल्लंघन न हो।

भारतीय शेयर बाजार में 1,233 अंक की बड़ी उछाल

बम-बम बाजार, अचानक लगाई महा छलांग



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार तेजी देखी गई। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 1,233.25 अंक यानी 1.66 फीसदी उछलकर 75,692.78 अंक पर बंद हुआ। इंडेक्स के 30 में से 23 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 11.64 फीसदी तक उछल गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी इसी तरह की चौतरफा लिवाली देखने को मिली।

डॉलर के मुकाबले रुपए में आई मजबूती

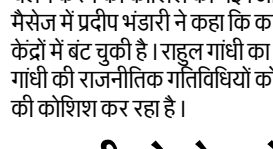
अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 94.88 पर खुला। पिछली क्लोजिंग 94.95 थी। सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी के अनुसार, त्योहारी सीजन से पहले कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट से आयात के मोर्चे पर कुछ राहत मिली है। इससे घरेलू करेंसी को सपोर्ट मिला है। एक अटकल से भी बाजार का सेंटिमेंट बेहतर हुआ है। वह यह कि कंपनी और वित्त मंत्रालय एफआईआई और संस्थागत निवेश को लुभाने के लिए टैक्स से जुड़े बदलाव या अन्य कदम उठा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के खेमे में असुरक्षा का माहौल

- कांग्रेस में प्रियंका गांधी को अलग-थलग करने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व को लेकर दरार आ गई है। बीजेपी ने दावा किया है कि प्रियंका गांधी के बढ़ते प्रभाव की वजह से राहुल गांधी खेमे में असुरक्षा दिख रही है और प्रियंका गांधी को पार्टी में अलग थलग करने की कोशिश की जा रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया ब्लॉक की आयोजित रैली में प्रियंका गांधी को बोलने का मौका नहीं दिया गया। शनिवार को आयोजित सांकेतिक संसद की कार्यवाही में भी प्रियंका गांधी को अलग थलग करने की कोशिश की गई। जारी वीडियो मैसेज में प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस दो शक्ति केंद्रों में बंट चुकी है। राहुल गांधी का खेमा प्रियंका गांधी की राजनीतिक गतिविधियों को सीमित करने की कोशिश कर रहा है।



एएपी छोड़ने वाले तीनों विधायक बीजेपी में शामिल

- बोले-पंजाब में फिरौती इंडस्ट्री बनी, गैंगस्टर सरकार में

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। बीजेपी जॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए हैं। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है। इन तीनों विधायकों ने पिछले 2 दिनों में एएपी से इस्तीफा दिया। रविवार को जौड़ामाजरा और पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद सोमवार को कुंवर ने भी पार्टी छोड़ दी। कुंवर और पठानमाजरा ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है।



राजस्थान में करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत

- झुंझुनूं में सड़क बनाते समय मशीन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई

उदयपुरवाटी (एजेंसी)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के छापोली गांव में सोमवार सुबह सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। 5 अन्य मजदूर झुलस गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। उदयपुरवाटी के एसएचओ रामपाल ने बताया- सड़क पर काम कर रही रोड़ी-बजरी मिक्सर मशीन का हाइड्रोलिक जैक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार से छू गया। इससे मशीन में करंट फैल गया और वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था।



एमपी में शराब तस्करों ने टीआई को कुचला, मौत

- इंदौर-बैतूल हाईवे पर तस्करी रोकने गए थे टीआई दिलीप पुरी



भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के देवास में अवैध शराब भरे वाहन (ट्रक) ने खातेगांव टीआई दिलीप पुरी को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल पुरी को अस्पताल ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुरी रविवार रात करीब डेढ़ बजे अवैध शराब की तस्करी की सूचना पर कार्रवाई करने टीम के साथ इंदौर-बैतूल हाईवे पहुंचे थे। नेमावर पुलिस भी इसी ट्रक का पीछा कर रही थी। पुलिस टीम को ट्रक डिवाइडर के किनारे खड़ा मिला। पुरी ने ट्रक ड्राइवर से बाहर आने को कहा तो वो ट्रक को डिवाइडर पर चढ़ाकर आगे बढ़ाने लगा। इस दौरान पिछला पहिए पुरी के ऊपर चढ़ गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीआई पुरी की पत्नी को एसआई पद पर अनुकंपा नियुक्ति और परिवार को 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

नौसेना को मिलेंगे अगली पीढ़ी के 8 नए युद्धपोत

53,866 करोड़ रुपये होगा खर्च,रक्षा मंत्रालय ने किया करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए देश में आठ अत्याधुनिक अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोत बनाए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने इन युद्धपोतों के निर्माण और खरीद के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ कुल 53,866.50 करोड़ रुपए के करार किए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस करार को लेकर खुशी जाहिर की है। 2 नवंबर को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इन करारों पर हस्ताक्षर किए गए। इन अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोतों में आधुनिक मिसाइलों, हथियारों और सेंसर प्रणालियों से लैस अत्याधुनिक क्षमताएं होंगी।



भारतीय नौसेना को मिली ताकत

इन युद्धपोत की मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और समुद्र के भीतर मौजूद खतरों से निपट सकेगी। इन युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से उसकी अभियान क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। ये समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, दुश्मन के युद्धपोतों को निशाना बनाने और पनडुब्बियों का पता लगाकर उनसे मुकाबला करने जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में भूमिका निभाएंगे।

नौसेना तैयार करेगी युद्धपोतों का डिजाइन

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के तहत कोलकाता स्थित जीआरएसई पांच युद्धपोतों का निर्माण करेगा। वहीं गोवा शिपयार्ड लिमिटेड भारतीय नौसेना के लिए तीन युद्धपोत बनाएगा। खास बात यह है कि इन सभी युद्धपोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना खुद तैयार करेगी। इनका निर्माण देश के रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम करेंगे। इस परियोजना का फायदा केवल नौसेना की युद्धक क्षमता तक सीमित नहीं रहेगा। इससे देश के स्वदेशी जहाज निर्माण उद्योग को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परियोजना में रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के साथ निजी शिपयार्ड, भारतीय औद्योगिक साझेदारों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भी भागीदारी होगी। इससे देश में जहाज निर्माण से जुड़े उद्योगों के बीच सहयोग और तकनीकी क्षमता मजबूत होगी।

इंदौर में आरएसएस की तीन दिनी बैठक शुरू

- संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत शामिल, आगामी कार्ययोजना पर होगा मंथन

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक सोमवार को डेली कॉलेज में शुरू हो गई। बैठक में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और



सभी छह सह सरकार्यवाह सहित देशभर के करीब 408 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हैं। 4 नवंबर तक चलने वाली इस बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान हुए कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ संगठन विस्तार और आगामी कार्ययोजना पर मंथन होगा। संघ ने पिछले एक साल में देशभर में 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं जुड़ने की जानकारी दी है।

राहुल गांधी ने दिल्ली में घुसपैठिया बचाओ रैली की

- अमित शाह बोले-13 करोड़ वोट काटने का दावा झूठा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह सोमवार को हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। यह कार्यक्रम इंडिया ब्लॉक के एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध के जवाब में किया जा रहा है। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने घुसपैठिया बचाओ रैली की। वे कहते हैं, 13 करोड़ वोट काट दिए गए। वे झूठ बोल रहे हैं। 13 करोड़ में से सवा 6 करोड़ वोट ऐसे हैं, जो दूसरी जगह रहने चले गए। क्या ऐसे लोगों को दो वोट देने का अधिकार है। करीब 3 करोड़ लोगों की मृत्यु हो गई। कांग्रेस पार्टी बोगस वोटों चुनाव हथियाना चाहती है। बीजेपी का लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ देशव्यापी अभियान 22 अक्टूबर 2026 को शुरू हुआ था। पहला चरण 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलेगा।



राहुल जी, नकली संसद में ही पीएम बन जाइए

राहुल जी, दो दिन पहले आपने मॉक पार्लियामेंट की थी, अगर मुझसे पूछा होता तो मैं कहता कि ये नकली संसद में आप एक बार पीएम बन जाओ, क्योंकि असली संसद में वे कभी बन नहीं पाएंगे, ताकि सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाए। आप संसद चलने नहीं देते। ईवीएम, एसआईआर, घुसपैठिए के मुद्दे पर हम संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार हैं, चर्चा के लिए आ जाइए, लेकिन वे नहीं आएंगे। वे अराजकता से सुर्खियों में रखते हैं।

घुसपैठिए कांग्रेस के वोट बैंक, इन्हें निकालकर ही दम लेंगे

कांग्रेस पार्टी एसआईआर को रोककर देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। ये घुसपैठिए उनके वोट बैंक हैं। राहुल जी जितना जोर लगाना है लगा लो, भाजपा एक-एक घुसपैठिए को देश और वोटर्स लिस्ट से बाहर निकालकर दम लेगी। 3 करोड़ वोट ऐसे हैं जो हैं ही नहीं। ये बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। राहुल जी कहते हैं कि हम (भाजपा) एसआईआर से जीते। जरा बताओ क्या 2014 में एसआईआर हुआ था। 2019 में जीते तब भी एसआईआर नहीं हुआ था। 2024 में भी जीते, उसके बाद महाराष्ट्र हरियाणा, दिल्ली बिहार, बंगाल, असम जीते।

बेंगलुरु-पुणे होगा देश का अगला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिए संकेत, जल्द मिलेगी अनुमति

बेंगलुरु (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु और मुंबई को जोड़ने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसी के साथ, रेल मंत्री ने संकेत दिया कि प्रस्तावित बेंगलुरु-पुणे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर अगली उच्च गति रेल परियोजनाओं में शामिल हो सकता है। अन्य बुलेट परियोजनाएं भी शुरू की जानी हैं। उन्होंने कहा, भविष्य में बुलेट ट्रेन से बेंगलुरु से चेन्नई पहुंचने में सिर्फ 73 मिनट लगेंगे-एक घंटा 13 मिनट। ये दोनों शहर एक शहर जैसे हो जाएंगे। रेल मंत्री वैष्णव ने रविवार को यह भी घोषणा की कि कर्नाटक के लिए अगली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बेंगलुरु से चलेगी।



सीआईएसएफ ने सुरक्षा देने का 56 साल पुराना स्ट्रक्चर बदला

अब पावर-स्टील प्लांट और बंदरगाह के लिए अलग-अलग सेक्टर, पहले जोन वाइज था



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने सबसे बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। फोर्स ने आज से अपने 56 साल पुराने टेरिटोरियल कमांड मॉडल को खत्म करके फंक्शनल सेक्टर मॉडल अपना लिया है। फोर्स अब तक जोन के हिसाब से काम करती थी। जैसे - मुंबई जोन के एक ही अधिकारी के पास पावर प्लांट भी होता था और कोयला खदान भी। इससे सुरक्षा मिली-जुली रहती थी। नए मॉडल में एक जैसी इंडस्ट्रियल यूनिट को एक ही छतरी के नीचे लाया गया है। यानी देशभर के सारे पावर प्लांट, सारे स्टील प्लांट, सारे बंदरगाह अलग-अलग डेडिकेटेड सेक्टर के अधीन होंगे।

सीआईएसएफ का दावा- काम अलग तो सुरक्षा भी अलग हो

अब तक सीआईएसएफ के फील्ड और प्रशासनिक ठिकाने जोनल आधार पर बने थे। इस वजह से एक ही फील्ड फॉर्मेशन अलग-अलग क्षेत्रों में बनी औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा संभालता था। उदाहरण के लिए, किसी फील्ड फॉर्मेशन के पास बिजली और कोयला क्षेत्र की इकाइयों की जिम्मेदारी एक साथ होती थी। अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और एयरपोर्ट की सुरक्षा करने वाली सीआईएसएफ इकाइयां इसका अपवाद थीं। ये पहले से एक ही कमांड के तहत थीं। सीआईएसएफ ने कहा कि इस बदलाव का मूल सिद्धांत यह है कि सुरक्षा केवल संपत्ति की जगह के आधार पर तय नहीं होनी चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि संपत्ति क्या काम करती है और उसके प्रभावित होने का देश पर क्या असर पड़ेगा। इस बदलाव के तहत मुंबई मुख्यालय वाले सीआईएसएफ के वेस्टर्न सेक्टर का नाम बदलकर वेस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर कर दिया गया है। चेन्नई स्थित सदर्न सेक्टर का नाम ईस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर किया गया है।

- 11 ऑपरेटरों के विरोध के बाद फैसला, अगले सीजन में शुरू होंगी चार्टर उड़ानें, रिफंड होंगे रुपए

चारधाम में हेली सेवाओं पर ब्रेक केदारनाथ शटल जारी रहेगी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम की चार्टर हेली सेवाओं पर पूरी तरह ब्रेक लग गया है। 11 हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों के दो पायलट अनिवार्य करने के नियम के विरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। सोमवार को उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के बीच हुई बैठक में तय किया गया कि चार्टर हेली सेवाएं अब अगले सीजन में ही शुरू होंगी। हालांकि, केदारनाथ में शटल हेली सेवा जारी रहेगी। कंपनी के सीईओ प्रतीक जैन ने बताया कि इस सीजन में चार्टर हेली सेवाओं की ज्यादा बुकिंग नहीं हुई थी। जिन यात्रियों ने बुकिंग कराई थी, उन्हें पूरा पैसा रिफंड किया जाएगा।



10 नवंबर बंद होंगे गंगोत्री के कपाट

केदारनाथ में सामान्य शटल हेली सेवाओं का संचालन जारी है। यहां कंपनी ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल का कंट्रोल रूम बनाया है। यहां से मौसम और उड़ानों की पल-पल की जानकारी के आधार पर हेलीकॉप्टरों को उड़ान की अनुमति दी जा रही है। हालांकि, नए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं होने के कारण लंबी दूरी की पर्सनल चार्टर सेवाएं बंद हैं।

संक्षिप्त समाचार

अपहरण और हत्या के मामले में महिला को आजीवन कारावास, एक लाख रुपये जुर्माना

गोबरहिया थाना कांड में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ की अदालत ने सुनाया फैसला, अपहरण के मामले में भी सात साल की सजा

बीएनएम@ बगहा। पश्चिम चंपारण के बगहा पुलिस जिले में अपहरण और हत्या के एक मामले में अदालत ने महिला अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ की अदालत ने गोबरहिया थाना कांड संख्या 16/25 में दोषसिद्ध ज्ञान्ती देवी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत आजीवन कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं, धारा 137(2) के तहत सात वर्ष का कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ज्ञान्ती देवी, पति स्वामीनाथ मांझी, निवासी भुअरहवा पूर्वी टोला ढोकनी, थाना गोबरहिया के विरुद्ध 7 नवंबर 2025 को कांड दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस पदाधिकारियों ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य संकलित करते हुए अनुसंधान पूरा किया और न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया। इस मामले का पुलिस अधीक्षक, बगहा स्वयं अनुश्रवण कर रहे थे। पुलिस की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और आरोप पत्र के आधार पर न्यायालय में सुनवाई हुई। इसके बाद 2 नवंबर 2026 को अदालत ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। अदालत ने आदेश दिया कि अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर धारा 137(2) में तीन माह तथा धारा 103(1) में छह माह की अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतनी होगी। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। साथ ही अभियुक्त द्वारा जेल में बिताई गई अवधि का समायोजन सजा में किया जाएगा। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक जितेंद्र कुमार भारती ने प्रभावी पैरवी की। बगहा पुलिस ने इसे अनुसंधान और न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत करने के आधार पर मिली सजा बताया है।

13 ग्राम कोटा के साथ 2 गिरफ्तार, माइल पकड़ी गांव में छापेमारी के समय 3,900 रुपए कैश भी मिले

बीएनएम@ हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के माइल पकड़ी गांव में पुलिस ने छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, उनके पास से 13 ग्राम कोटा और 3,900 रुपए नकद मिले। गिरफ्तार लोगों की पहचान माइल पकड़ी गांव के रत्नेश कुमार, पिता सागर चौधरी, और बिट्टू कुमार, पिता चंदेश्वर शाह के रूप में हुई है। पुलिस को गांव में नशीले पदार्थों के कारोबार की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना की जांच के बाद टीम ने छापेमारी की और दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से कोटा और नकदी मिली। बिदुपुर थानाध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस कारोबार से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

तनिष्क शोरूम से 17 लाख के ज्वेलरी के गबन में गिरफ्तार, कंगन और चेन बरामद

बीएनएम@ हाजीपुर। हाजीपुर के सुभाष चौक स्थित तनिष्क शोरूम से करीब 17 लाख रुपये के सोने के आभूषणों के गबन के मामले में पुलिस ने कैशियर मोहम्मद इरफान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर किराये के मकान से एक जोड़ा कंगन और सोने की चेन बरामद की। फर्जी ग्राहक बनकर आए उसके दोस्त की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, इरफान ने बिलिंग और लेनदेन में हेराफेरी कर फर्जी भुगतान दिखाया और आभूषण अपने दोस्त को दे दिए। मामले का खुलासा शोरूम के सीसीटीवी फुटेज की जांच से हुआ। गिरफ्तार इरफान सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ी चक निवासी मोहम्मद शमी का पुत्र है। पुलिस ने बागमली की आशियाना कॉलोनी स्थित उसके किराये के मकान से 38.34 ग्राम का एक जोड़ा सोने का कंगन और 63.42 ग्राम की सोने की चेन बरामद की। इनकी अनुमानित कीमत 16.80 से 17 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने इरफान का मोबाइल भी जब्त किया है।

रविवार को सदर-1 एसडीपीओ सुबोध कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शोरूम के फ्रेंचाइजी संचालक ने नगर थाना में आवेदन देकर एक कर्मचारी पर वित्तीय हेराफेरी और आभूषणों के गबन का आरोप लगाया था। इसके बाद नगर थाना कांड संख्या 1056/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरीय पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा के निर्देश पर एसडीपीओ सुबोध कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। इसमें नगर थानाध्यक्ष सिकंदर कुमार भी शामिल थे। टीम ने तकनीकी जांच के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगाले। करीब दो से तीन घंटे की फुटेज जांच के बाद इरफान की भूमिका संदिग्ध मिली। पूछताछ में उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 8 से 12 अक्टूबर के बीच उसने सिस्टम में फर्जी भुगतान अपडेट कर एक जोड़ा सोने का कंगन और एक चेन फर्जी ग्राहक को डिलीवर दिखा दिया था। जबकि इन आभूषणों के बदले शोरूम को कोई राशि प्राप्त नहीं हुई थी। बाद में शोरूम में आंतरिक ऑडिट के दौरान भुगतान नहीं मिलने और बिक्री दर्ज होने की गड़बड़ी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने जांच तेज की। आरोपी की निशानदेही पर उसके किराये के मकान से दोनों आभूषण बरामद किए गए। एसडीपीओ ने बताया कि शोरूम की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर फायर प्रोटेक्शन मॉक ड्रिल, एकता परेड का लाइव ब्रॉडकास्ट हुआ

बीएनएम@ हाजीपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर विद्यार्थियों ने 'एकता परेड-2026' का सीधा प्रसारण देखा। हाजीपुर अनुमंडल अग्निशामालय की टीम ने राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय (GEC), वैशाली में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम और मॉक ड्रिल की। 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस पर महाविद्यालय में कई कार्यक्रम हुए। गुजरात के केवड़िया से आयोजित परेड का प्रसारण विद्यार्थियों और शिक्षकों को दिखाया गया। प्रसारण के दौरान विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान और देश की एकता-अखंडता के महत्व के बारे में जाना। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम को महाविद्यालय के विद्यार्थियों और संस्थान के सदस्यों ने देखा। अग्निशमन विभाग की टीम ने आग लगने पर बरती जाने वाली सावधानियों, अग्निशमन उपकरणों के इस्तेमाल और आपात स्थिति में सुरक्षित बाहर निकलने के तरीके बताए। मॉक ड्रिल में आग लगने पर तुरंत और सुरक्षित बचाव का तरीका दिखाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस देश की एकता, अखंडता और सामूहिक जिम्मेदारी के मूल्यों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा की जानकारी और समय पर सही कदम उठाने से दुर्घटनाओं का असर कम किया जा सकता है।

2 करोड़ की ज्वेलरी लूट के आरोपी का एनकाउंटर, 2025 में कोर्ट कैंपस से भागा था

बीएनएम@ हाजीपुर। वैशाली में पुलिस-STF के साथ लूट, आर्म्स एक्ट के आरोपी की मुठभेड़ हुई। जिले के सदर थाना क्षेत्र के मरमला चौर में रविवार देर रात एनकाउंटर में आरोपी को गोली लगी है। समस्तीपुर में 2 साल पहले हुए 2 करोड़ की ज्वेलरी लूट के आरोपी राजनंदन को पुलिस और STF पकड़ने पहुंची तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, जवाब में पुलिस ने आरोपी को दौड़ाकर फायरिंग की। इस दौरान उसके दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने घायल आरोपी को पकड़ा और इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस कस्टडी में उसका इलाज चल रहा है। लूट केस में 2025 में आरोपी समस्तीपुर कोर्ट कैंपस से फरार हो गया था। कुख्यात अपराधी के खिलाफ लूट, हत्या, डकैती, आर्म्स एक्ट, उत्पाद अधिनियम एवं एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में दर्जनों आपराधिक कांड दर्ज हैं। घायल आरोपी की पहचान सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी कला निवासी चंदेश्वर राय के बेटे राज नंदन कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, छोटू पर वैशाली और समस्तीपुर में लूट और आर्म्स एक्ट समेत करीब 17 मामले दर्ज हैं।

पटना में देह व्यापार का खुलासा, गणपति होटल में रेड, मौके से आपत्तिजनक सामान बरामद

4 महिला और 3 पुरुष पकड़े गए, एक नाबालिग का रेस्क्यू

बीएनएम @ पटना



पटना में देह व्यापार का खुलासा हुआ है। जक्कनपुर थाना क्षेत्र में पुराने बस स्टैंड के पास स्थित गणपति होटल में पुलिस की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान होटल से 4 महिलाओं और 3 पुरुषों को पकड़ा गया। सभी को आपत्तिजनक स्थिति में पाए जाने की बात सामने आई है। मौके से एक नाबालिग लड़की का रेस्क्यू किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गणपति होटल में अवैध रूप से देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने एक टीम गठित की और होटल में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस को मौके से एक रजिस्टर और कई आपत्तिजनक सामान मिले हैं।

होटल में अवैध गतिविधियों का खुलासाः छापेमारी के बाद पुलिस सभी पकड़े गए लोगों को थाने लेकर पहुंची। फिलहाल सभी का मेडिकल कराया जा रहा है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। साथ ही होटल में चल रही गतिविधियों और इस पूरे मामले से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पहले भी हुई थी छापेमारीः बता दें, गणपति होटल में इससे पहले भी पुलिस छापेमारी कर चुकी है। उस समय भी होटल से युवक-युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया था। इसके बावजूद एक बार फिर इसी होटल में पुलिस की कार्रवाई हुई है। अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

होटल संचालक मौके से फरारः वहीं, इस संबंध में एसडीपीओ सदर-1 मनोज कुमार ने बताया कि मौके से होटल संचालक भागने में सफल रहा है। पकड़े गए सभी आरोपियों को मेडिकल के बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली में सोनिया गांधी ने लालू यादव से की मुलाकात

बीएनएम @ पटना



- स्वास्थ्य की ली जानकारी, तेजस्वी बोले- हमलोगों का पुराना रिश्ता रहा है

कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी सोमवार को दिल्ली में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का हालचाल लेने उनकी बेटी सांसद मीसा भारती के आवास पहुंचीं। यहां उन्होंने लालू यादव से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने लालू यादव के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। लालू प्रसाद यादव की तबीयत पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बाद उन्हें पटना से दिल्ली लाया गया था। फिलहाल उनका इलाज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में चल रहा है। उनकी बेटी मीसा भारती के मुताबिक, लालू यादव की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

RJD नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'पिताजी अपने नियमित जांच के लिए दिल्ली आए हुए थे। हमने कल सोनिया गांधी जी को बताया था इसलिए वे आज मिलने आई हैं। लालू यादव और सोनिया गांधी ने एक दूसरे को विपरीत परिस्थितियों में सहयोग किया है। हमलोगों का पुराना रिश्ता रहा है। INDIA ब्लॉक पर उन्होंने कहा, 'केवल बिहार ही नहीं देशभर में जहां भी हम विपक्ष के लोग हैं हम सबको मजबूती के साथ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जब तक एक नहीं होंगे हम लड़ाई नहीं जीतेंगे।' आरजेडी सुप्रीमो की तबीयत बिगड़ने के बाद 17 जुलाई को उन्हें पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में भर्ती कराया गया था। यहां डॉक्टरों की टीम ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया था।

अनंत सिंह की जा सकती है विधायकी स्पीकर ने 7 दिन में मांगा जवाब

बीएनएम @ पटना



छोटी बेटी की शादी में व्यस्त मोकामा के विधायक अनंत सिंह को बिहार विधानसभा की ओर से नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में भेजा गया है. विधानसभा सचिव संजय कुमार सिंह ने विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार के निर्देश पर यह नोटिस जारी किया है। अनंत सिंह को 7 दिनों के अंदर अपना जवाब देने को कहा गया है। सोमवार को अनंत सिंह ने विधानसभा का नोटिस प्राप्त कर लिया।

मोकामा से विधायक अनंत सिंह को 24 अक्टूबर को जदयू ने 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया था। अनंत सिंह लगातार पार्टी लाइन से हटकर बयान दे रहे थे। उनकी पत्नी और पूर्व विधायक नीलम देवी को भी पार्टी से निष्कासित किया गया था। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाना ने विधानसभा स्पीकर से अनंत सिंह की सदस्यता रद्द करने की अनुशांसा भी की थी।

अनंत सिंह को जदयू से बाहर करने के बाद बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने उनकी पत्नी नीलम देवी को पटना के 1, मॉल रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने का नोटिस जारी किया था। पत्र में 25 नवंबर 2026 तक आवास खाली करने का निर्देश दिया गया था। उनसे राज्य मंत्री का दर्जा भी वापस ले लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने दुलारचंद हत्याकांड में अनंत सिंह को एक दिसंबर तक सरेंडर करने का आदेश दिया है। 30 अक्टूबर को दुलारचंद हत्याकांड में अनंत सिंह की जमानत रद्द करने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में चार महीने में जांच पूरी करने को कहा है।

एक महीना से महिला लापता, बेटी, भाई के साथ पुनपुन जाने के लिए घर से निकली थी

बीएनएम @ पटना



- कार ड्राइवर पर अपहरण का आरोप

फुलवारी शरीफ के धुपारचक गांव से विवाहिता निशु कुमारी, उनकी दो साल की बेटी प्रियांशी और 20 वर्षीय भाई आयुष कुमार 24 सितंबर 2026 से लापता हैं। तीनों कार से पुनपुन स्थित ससुराल जाने के लिए निकले थे। 38 दिन बाद भी उनका पता नहीं चला है। परिवार ने गांव के युवक प्रिंस कुमार पर तीनों को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है।

साल 2023 में हुई थी शादीः निशु के पिता मनोज कुमार ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 2023 में पुनपुन के लखनपाल गांव में रंटू सिंह के परिवार में हुई थी। 24 सितंबर 2026 को शाम करीब 4:30 बजे निशु, प्रियांशी और आयुष प्रिंस कुमार की आर्टिगा कार (BR01KC4898) से निकले थे। प्रिंस निजी तौर पर गाड़ी चलाता है। तीनों न तो ससुराल पहुंचे और न ही मायके लौटे। मनोज कुमार के मुताबिक, शाम तक निशु के ससुराल नहीं पहुंचने पर उन्होंने उसके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन वह बंद था। आयुष का मोबाइल भी बंद आने लगा। इसके बाद परिवार ने उनकी तलाश शुरू की।

कार मुगलसराय रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ी की थीः 25 सितंबर को प्रिंस के चचेरे भाई ने परिवार को बताया कि कार मुगलसराय रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ी है। प्रिंस ने अपने भाई राहुल को मैसेज कर वहां से कार की चाबी लेकर गाड़ी पटना लाने को कहा था। परिवार ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। इनपुट में बताया गया है कि कार की लोकेशन बाद में दिल्ली में मिली थी। परिजनों का कहना है कि मामले की जांच कर रहे अधिकारी विजय कुमार ने उन्हें बताया था कि मुगलसराय के बाद तीनों का लोकेशन दिल्ली में भी मिला था। हालांकि, इसके बाद सभी मोबाइल फोन बंद हो गए। पुलिस को तीनों के मोबाइल नंबर और अन्य संदिग्ध नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस जानकारी नहीं मिली है।

घर से 8 लाख के गहने लेकर निकली थीः परिजनों ने बताया कि निशु अपने साथ करीब आठ लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने भी लेकर गई थी। परिवार को सबसे अधिक चिंता दो साल की बच्ची और 20 वर्षीय आयुष की सुरक्षा को लेकर है।

उन्हें आशंका है कि तीनों के साथ कोई अनहोनी न हो गई हो। मनोज कुमार और उनकी पत्नी रीना देवी ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि 38 दिनों से थाने का चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की ओर से फिरौती की मांग नहीं होने की बात कहकर मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

उन्होंने वरीय पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष और गंभीर जांच कराने, कार तथा मोबाइल लोकेशन के आधार पर छानबीन तेज करने और निशु, प्रियांशी व आयुष को जल्द सुरक्षित बरामद करने की मांग की है।

नगर निगम के प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में 43.6% की बढ़ोतरी, सात महीने में 80.79 करोड़ रुपए की कमाई

बीएनएम @ पटना



पटना नगर निगम के प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में इस वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक निगम को प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में 80.79 करोड़ रुपए मिले हैं। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह राशि 56.28 करोड़ रुपए थी। इस तरह निगम के राजस्व में करीब 43.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की तुलना में इस बार 24.52 करोड़ रुपए अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

19 हजार से अधिक होल्डिंग्स से मिला टैक्सः नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर के बीच 1,55,260 होल्डिंग्स से प्रॉपर्टी टैक्स प्राप्त हुआ था। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष में इसी अवधि के दौरान यह संख्या बढ़कर 1,74,363 हो गई है। यानी पिछले वर्ष की तुलना में 19 हजार से अधिक अतिरिक्त होल्डिंग्स से टैक्स का भुगतान मिला है।

अक्टूबर में 1,398 नई संपत्तियां टैक्स के दायरे मेंः नगर निगम ने अक्टूबर महीने में 1,398 नई संपत्तियों का प्रॉपर्टी टैक्स निर्धारित किया है। इनमें सबसे अधिक 389 संपत्तियां पाटलिपुत्र अंचल में टैक्स के दायरे में आईं। इसके अलावा अजीमाबाद अंचल में 279, कंकड़बाग में 266, नूतन राजधानी में 234, बांकीपुर में 134 और पटना सिटी अंचल में 96 नई संपत्तियों का टैक्स निर्धारित किया गया।

डोर-टू-डोर अभियान का दिखा असरः निगम के अनुसार, घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करने और वार्ड स्तर पर प्रॉपर्टी टैक्स शिविर लगाने से राजस्व संग्रह में बढ़ोतरी हुई है। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को अपने क्षेत्र में ही टैक्स जमा करने और संपत्ति से जुड़ी अन्य सेवाएं प्राप्त करने की सुविधा मिल रही है।

- आज से चार वार्डों में लगेंगे शिविर

इन वार्डों में लगेंगे प्रॉपर्टी टैक्स शिविरः प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने और इससे जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम ने चार वार्डों में शिविर लगाने का कार्यक्रम जारी किया है। 2 से 4 नवंबरः वार्ड 46 के लिए कंकड़बाग अंचल स्थित पार्षद कार्यालय और वार्ड 22 के लिए पाटलिपुत्र अंचल के राजापुल स्थित पार्षद कार्यालय में शिविर लगेगा। 5 से 7 नवंबरः वार्ड 55 के लिए कंकड़बाग अंचल के चक पर स्थित कुशवाहा पंचायत बैठका और वार्ड 26 के लिए पाटलिपुत्र अंचल के दक्षिणी मंदिरी स्थित पार्षद कार्यालय में शिविर लगाया जाएगा।

छठ पर दूधिया रोशनी से जगमगाएंगे गंगा घाट

बीएनएम @ पटना



दीपावली और छठ महापर्व को देखते हुए पटना नगर निगम ने शहर में रोशनी की व्यवस्था मजबूत करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत शहर की सड़कों, गलियों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों के साथ गंगा घाटों पर भी अतिरिक्त लाइटें लगाई जाएंगी।

घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर करीब 47 हजार अस्थायी लाइटें लगाने की तैयारी है। वहीं, शहर के सभी वार्डों में अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाने का काम भी शुरू हो गया है।

इस अभियान के तहत सभी वार्डों के लिए पहली खेप में कुल 1800 अतिरिक्त स्ट्रीट लाइटें उपलब्ध कराई गईं। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने विद्युत प्रमंडल और सभी अंचलों को निर्देश दिया है कि लाइट लगाने का काम तय समय-सीमा में प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने काम की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया है।

छठ के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए गंगा घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर विशेष प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। फिलहाल नगर निगम क्षेत्र के गंगा घाटों और पहुंच पथों पर 50 हाईमास्ट लाइटें और करीब 2200 स्ट्रीट लाइटें लगी हैं। इनके अतिरिक्त महापर्व के लिए लगभग 47 हजार अस्थायी लाइटें लगाई जाएंगी।

सुपौल-गोपालगंज में कोहरा पटना में छाएंगे बादल

बीएनएम @ पटना



सोमवार सुबह सुपौल में कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी 60मीटर रही। गोपालगंज जिला घने काले बादलों से ढका दिखा। चारों ओर धुंध और कोहरा है। इधर, पटना में आज हल्के बादल छाए रहेंगे। हालांकि, दिन में धूप निकलेगी, जिससे लोगों को थोड़ी गर्मी महसूस हो सकती है। बिहार में चक्रवाती तूफान अर्नब का असर अब खत्म हो गया है। आज यानी सोमवार से मौसम सामान्य हो जाएगा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, प्रदेश के सभी जिलों में मौसम सामान्य रहेगा।

बारिश को लेकर किसी भी जिले में अलर्ट नहीं है। हालांकि, सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी। इसका कारण न्यूनतम तापमान में अगले कुछ दिनों में 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, पटना का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने नवंबर महीने के लिए जारी मासिक पूर्वानुमान के मुताबिक, इस महीने बिहार में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ेगा। हालांकि, अभी कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना नहीं है। नवंबर में दिन और रात के तापमान में अंतर देखने को मिलेगा। राज्य के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है। इससे रात और सुबह के समय ठंड महसूस होगी।

निर्दलीय एमएलसी की बीजेपी में वापसी पर एनडीए में घमासान

बीएनएम @ पटना



बिहार विधान परिषद चुनाव के नतीजे आने के बाद एनडीए के दो प्रमुख घटक दलों JDU और BJP के बीच तनाव बढ़ गया है। सारण शिक्षक सीट से निर्दलीय चुनाव जीतने वाले राहुल राज और तिरहुत स्नातक से जीते निर्दलीय एमएलसी बंशीधर ब्रजवासी के भाजपा में शामिल होने को लेकर जदयू ने सवाल खड़े किए हैं। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने राहुल राज की भाजपा में वापसी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस व्यक्ति को पार्टी ने छह साल के लिए निष्कासित किया था, उसे इतनी जल्दी वापस किस परिस्थिति में शामिल किया गया? भाजपा और उसके शीर्ष नेतृत्व को इस पर विचार करना चाहिए।

विधान परिषद के सभापति से मिलेंगे जनसुराज के नेताः वहीं पूर्व मंत्री और जदयू के वरिष्ठ विधायक श्याम रजक ने कहा, निर्दलीय सदस्यों को समर्थन देने का अधिकार किसी भी पार्टी को है। अगर भाजपा ने उन्हें समर्थन दिया है, तो यह नियमों के तहत सही है। लेकिन कोई भी निर्दलीय चुनाव जीतने के बाद किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं हो सकता। अगर दोनों भाजपा में शामिल हुए हैं, तो यह पूरी तरह अनैतिक और गलत है। इधर, MLC चुनाव जीतने वाले निर्दलीय प्रत्याशी बंशीधर बृजवासी और राहुल राज के भाजपा में शामिल होने पर जन सुराज का प्रतिनिधिमंडल आज विधान परिषद के सभापति से मुलाकात करेगा।

RJD बोलीः भाजपा की कृपा पर जदयू हैः पूरे मामले पर राजद के प्रवक्ता शक्ति यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, 'अपने शर्त पर काम करने वाले जनता दल (यू) के हाल देखिए। जो भाजपा को आंख दिखाते थे, राजद के बैसाखियों का सहारा लेते थे, इधर से उधर चल जाएंगे, भय दिखाते थे। आज जदयू गिरगिड़ा रही है। उमेश कुशवाहा कह रहे हैं कि गठबंधन धर्म का पालन करना चाहिए। शीर्ष नेतृत्व को विचार करनी चाहिए।' 'अब जदयू की कृपा पर भारतीय जनता पार्टी नहीं है, भारतीय जनता पार्टी की कृपा पर जनता दल (यू) है। भाजपा जान चुकी है कि जदयू का कोई अस्तित्व नहीं है। जदयू का अस्तित्व भारतीय जनता पार्टी के रहमो-कर्म पर है। अब उमेश कुशवाहा जी जाकर भाजपा के पैर पकड़ें या गिड़गिड़ाएं कोई फर्क नहीं पड़ेगा।'

बंशीधर ब्रजवासी ने पहले बीजेपी जॉइन की, फिर वीडियो जारी कर दी सफाईः शनिवार को तिरहुत स्नातक सीट से निर्दलीय चुनाव जीतने वाले बंशीधर ब्रजवासी और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीते राहुल राज ने शनिवार को भाजपा की सदस्यता ली थी। हालांकि, बंशीधर ब्रजवासी ने देर रात वीडियो जारी कर भाजपा में शामिल होने की बात से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मिलने गए थे, भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं। इसके बाद से ही NDA के भीतर इस मुद्दे पर विवाद बढ़ गया है। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू के प्रत्याशी रहे आनंद पुष्कर ने भी राहुल राज के भाजपा में शामिल होने पर नाराजगी जताई है। चुनाव में हार के बाद उन्होंने फेसबुक पोस्ट के जरिए भाजपा के बड़े नेताओं पर सवाल उठाए।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में टेम्पो से 300 लीटर चुलाई शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

» संग्रामपुर से लाई जा रही थी शराब की खेप, पुलिस ने कारोबारी की पहचान की

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि। पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भादा नहर पुल के समीप एक टेम्पो से 300 लीटर चुलाई शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से टेम्पो चालक को गिरफ्तार करने के साथ ही शराब ढुलाई में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन को भी जब्त कर लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शराब की खेप संग्रामपुर क्षेत्र से लाई जा रही थी। गिरफ्तार चालक की पहचान कुबरा पकड़िया निवासी जयप्रकाश गोस्वामी के रूप में हुई है। पुलिस अब इस मामले में शराब के स्रोत और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि शराब के कारोबार से जुड़े व्यक्ति की पहचान कर ली गई है। उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टेम्पो के जरिए चुलाई शराब की खेप लाई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए भादा नहर पुल के समीप जांच अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध टेम्पो को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 300 लीटर चुलाई शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब जब्त कर गिरफ्तार चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही, शराब तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।



सुगौली चीनी मिल के आगामी पेराई सत्र की तैयारियों विकास योजनाओं और बजट प्रस्ताव पर चर्चा

बीएनएम @ मोतिहारी। क्षेत्रीय विकास परिषद, सुगौली की बैठक सोमवार को जिला पदाधिकारी-सह-परिषद के अध्यक्ष सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में परिषद के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्ताव, विकास कार्ययोजना, कमीशन भुगतान तथा सुगौली चीनी मिल के आगामी पेराई सत्र 2026-27 के संचालन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में परिषद की वित्तीय एवं प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा के साथ प्रस्तावित विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। वहीं, आगामी गन्ना पेराई सत्र के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं संबंधित बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। परिषद के बजट प्रस्ताव और कार्ययोजना के माध्यम से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में जिला पदाधिकारी-सह-अध्यक्ष सौरभ सुमन यादव के अलावा श्रीराम सिंह, ईख पदाधिकारी, मोतिहारी-सह-सचिव, क्षेत्रीय विकास परिषद, सुगौली; प्रागेन्द्र गर्ग, सहायक निदेशक, ईख विकास, मोतिहारी; जिला अभियंता; एस.आर. भारद्वाज, डीजीएम (केन), एचपीसीएल, सुगौली सहित परिषद के सदस्य विजय कुमार यादव, नागेन्द्र कुमार एवं राजकिशोर राय उपस्थित थे।



नगर परिषद द्वारा क्षतिग्रस्त नाले के स्लैब की मरम्मत कराने से जलजमाव और आवागमन की समस्या से लोगों को मिला राहत

बीएनएम @ मोतिहारी। जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में प्रशासनिक पहल से रक्सौल नगर परिषद क्षेत्र के सभ्यता नगर, कोईरिया टोला के निवासियों को बड़ी राहत मिली है। वार्ड संख्या-24 स्थित रोड संख्या-04 में जलजमाव एवं आवागमन में हो रही परेशानी को लेकर स्थानीय निवासी श्री रंजन कुमार ने परिवाद दायर कर समस्या के समाधान की मांग की थी। परिवाद की अनन्य संख्या 99988010309261508 40 के तहत प्राप्त शिकायत पर संबंधित लोक प्राधिकार के रूप में कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, रक्सौल को नोटिस जारी किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर परिषद की ओर से त्वरित कार्रवाई की गई। इस क्रम में लोक प्राधिकार-सह-कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, रक्सौल ने पत्रांक-661, दिनांक 27 अक्टूबर 2026 के माध्यम से प्रतिवेदन समर्पित किया। प्रतिवेदन में बताया गया कि सभ्यता नगर, गली संख्या-04, कोईरिया टोला, वार्ड संख्या-24 में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त नाले के स्लैब की मरम्मत का कार्य पूरा करा दिया गया है। नाले के क्षतिग्रस्त स्लैब की मरम्मत से संबंधित समस्या का समाधान हो गया है। इस प्रकार परिवादी रंजन कुमार की शिकायत का सफलतापूर्वक निवारण किया गया। यह कार्रवाई जनशिकायतों के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता, तत्परता एवं जवाबदेह कार्यशैली का परिचायक है। साथ ही यह दर्शाती है कि जनहित से जुड़े मामलों में समयबद्ध पहल कर आम नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है।



बीएससीसी की तीसरी किस्त का भुगतान परिवाद का हुआ निष्पादन

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (बीएससीसी) योजना के तहत ऋण की तीसरी किस्त का भुगतान नहीं होने से परेशान छात्र निलेश कुमार को आखिरकार राहत मिल गई। लोक शिकायत निवारण के तहत परिवाद दर्ज कराए जाने के बाद संबंधित विभाग ने लंबित किस्त की राशि का भुगतान कर दिया। इसके साथ ही परिवाद का निष्पादन कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्वी चम्पारण जिले के तुरकौलिया प्रखंड अंतर्गत मंझार गांव निवासी निलेश कुमार, पिता नरेन्द्र प्रसाद ने बीएससीसी योजना के तहत ऋण की तीसरी किस्त का भुगतान कराने को लेकर परिवाद संख्या : 99999010910266678 10 दायर किया था। परिवाद की सुनवाई के दौरान जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी), मोतिहारी के प्रबंधक को लोक प्राधिकार के रूप में नामित कर नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के सहायक प्रबंधक (योजना) ने पत्रांक-110, दिनांक 23 अक्टूबर 2026 के माध्यम से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन में बताया गया कि परिवादी निलेश कुमार को बीएससीसी योजना के तहत ऋण की तीसरी किस्त की राशि का भुगतान कर दिया गया है। भुगतान से संबंधित साक्ष्य भी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विभागीय प्रतिवेदन एवं प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर परिवादी की शिकायत का समाधान पाया गया। इसके बाद परिवाद का निष्पादन कर दिया गया।



घोड़ासहन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी का विवादों से चोली दामन का रिश्ता

» प्रभार देने पर उठे सवाल, मोतिहारी सिविल सर्जन की भूमिका भी घेरे में

» विभागीय जांच जारी रहने के बावजूद प्रभार सौंपने का आरोप, सरकारी राशि में कथित अनियमितता और निजी सांठगांठ को लेकर भी उठते रहे सवाल

बीएनएम @ सागर सूरज





मोतिहारी/घोड़ासहन। स्वास्थ्य विभाग में कथित वित्तीय अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और फर्जी रिपोर्ट तैयार करने जैसे गंभीर आरोपों से घिरे घोड़ासहन सीएचसी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार को लेकर एक बार फिर विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि उनके विरुद्ध विभागीय जांच अभी भी जारी है, इसके बावजूद मोतिहारी के सिविल सर्जन की कथित मेहरबानी से उन्हें विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां और प्रभार सौंपे जाते रहे हैं। खासकर घोड़ासहन में उन्हें प्रभार दिए जाने के मामले ने स्वास्थ्य विभाग के भीतर कथित सांठगांठ और प्रशासनिक संरक्षण की चर्चा तेज कर दी है। डॉ. संजय इन आरोपों के उपर अपना पक्ष रखने से बचते आये लेकिन जिला सिविल सर्जन के साथ उनकी नजदीकी कई सवालों को जन्म देती है। गौरतलब है कि एक प्रकाशित खबर के अनुसार अन्य ज़िलों में पदस्थापना के दौरान डॉ. संजय कुमार पर रिश्वत लेने, फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और फर्जी जख्म प्रतिवेदन (इंक्वायरी रिपोर्ट) तैयार करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। खबर में 7,900 रुपये की कथित रिश्वत लेने, दवाओं की स्टॉक पंजी में हेराफेरी और सरकारी खरीद से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया था। इन आरोपों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें निलंबित किया था। बाद में विभागीय अधिसूचना संख्या 125(9) के तहत निलंबन समाप्त कर उन्हें मुख्यालय में योगदान देने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई और जांच जारी रहने की बात भी विभाग की ओर से कही गई थी।

बैचमेट होने का हवाला देकर प्रभार देने का आरोप-अब इस पूरे प्रकरण में मोतिहारी के सिविल सर्जन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि डॉ. संजय कुमार से व्यक्तिगत और बैचमेट संबंध होने के कारण सिविल सर्जन ने विभागीय जांच लंबित रहने के बावजूद उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपने में विशेष रुचि दिखाई। जबकि आरोपों की गंभीरता और लंबित विभागीय कार्रवाई को देखते हुए उन्हें महत्वपूर्ण प्रभार सौंपने के औचित्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, संबंधित मामले की विभागीय जांच अभी समाप्त नहीं हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब चिकित्सा पदाधिकारी के विरुद्ध गंभीर आरोपों की जांच लंबित थी, तो उन्हें प्रभार सौंपने का निर्णय किस आधार पर लिया गया? क्या इसके लिए विभागीय अनुमति ली गई थी और क्या उनकी कार्यप्रणाली का पूर्व रिकॉर्ड देखा गया था?

सरकारी राशि के इस्तेमाल पर भी उठे सवाल-इस मामले में सरकारी राशि के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर भी निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। आरोप है कि पद और प्रभार के इस्तेमाल के दौरान सरकारी धन के आवंटन एवं खर्च में अनियमितताएं हुईं तथा सरकारी राशि के बंदरबांट की आशंका से जुड़े सवाल सामने आए हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि विभागीय जांच पूरी होने से पहले डॉ. संजय कुमार को जिम्मेदारी सौंपने के पीछे क्या प्रशासनिक मजबूरी थी या फिर व्यक्तिगत संबंधों ने नियमों को प्रभावित किया? घोड़ासहन में प्रभार दिए जाने और बाद में वापस लिए जाने की पूरी प्रक्रिया की जांच होनी चाहिए। साथ ही मोतिहारी सिविल सर्जन की भूमिका, प्रभार संबंधी आदेश और सरकारी राशि के खर्च का भी परीक्षण जरूरी है।

80 वर्ष पूरे होने पर पेंशन में 20% वृद्धि, पांच महीने का बकाया भी मिला, लोक शिकायत के त्वरित निवारण से बुजुर्ग को राहत

बीएनएम @ मोतिहारी



80 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन का लाभ नहीं मिलने से परेशान बुजुर्ग पेंशनधारक कृष्ण कुमार सिन्हा को आखिरकार राहत मिल गई। लोक शिकायत के त्वरित निष्पादन के बाद भारतीय स्टेट बैंक ने उनकी पेंशन प्रणाली में आवश्यक सुधार करते हुए 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ देने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। साथ ही मई से सितंबर 2026 तक की बकाया राशि 46,880 रुपये के भुगतान की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मोतिहारी निवासी परिवादी कृष्ण कुमार सिन्हा ने 80 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद नियमानुसार मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन का भुगतान नहीं होने को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्राधिकार ने भारतीय स्टेट बैंक, मोतिहारी के शाखा प्रबंधक को लोक प्राधिकार नामित कर नोटिस जारी किया। इसके बाद लोक प्राधिकार सह सहायक महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, मोतिहारी ने पत्रांक CPPC/AGM/AL/MISC/26-27/243, दिनांक 17 अक्टूबर 2026 के माध्यम से शिकायत के निष्पादन की जानकारी दी। बैंक की ओर से बताया गया कि पेंशन प्रणाली में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है। अब अक्टूबर 2026 से पेंशनधारक को 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलने लगेगा। वहीं, एक मई 2026 से 30 सितंबर 2026 तक की अवधि की अतिरिक्त पेंशन के अंतर की बकाया राशि 46,880 रुपये के भुगतान की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। बैंक की कार्रवाई से संतुष्ट परिवादी कृष्ण कुमार सिन्हा ने बताया कि उनकी शिकायत का त्वरित समाधान कर दिया गया है। इस तरह लंबे समय से लंबित अतिरिक्त पेंशन भुगतान का मामला सुलझ गया और बुजुर्ग पेंशनधारक को बड़ी राहत मिली।

29-29 कांडों का आपराधिक इतिहास, देवा गुप्ता और कमरुद्दीन उर्फ ढोलकिया समेत 90 पर सीसीए-3 का प्रस्ताव

» हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और आर्म्स एक्ट समेत संगीन मामलों में शामिल आरोपितों पर पुलिस का शिकंजा, बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम की धारा-3 के तहत भेजा गया प्रस्ताव

बीएनएम @ मोतिहारी





पूर्वी चंपारण जिले में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हत्या, लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, संगठित अपराध, रंगदारी, हत्या के प्रयास, भ्रष्टाचार, जालसाजी और चोरी समेत विभिन्न आपराधिक मामलों में शामिल कुल 90 आरोपितों के खिलाफ बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम (सीसीए) की धारा-3 के तहत प्रस्ताव समर्पित किया गया है। पुलिस की ओर से जारी सूची में छतौनी थाना क्षेत्र के बरई टोला निवासी देवा गुप्ता, पिता हरिकिशोर गुप्ता का नाम पहले स्थान पर है। उसके खिलाफ 29 आपराधिक मामलों का इतिहास दर्ज है। वहीं, हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मुरारपुर निवासी कमरुद्दीन अंसारी उर्फ ढोलकिया, पिता अमरुद्दीन अंसारी का नाम दूसरे स्थान पर है। उसके खिलाफ भी 29 आपराधिक मामलों का इतिहास दर्ज है। कमरुद्दीन मुरारपुर पंचायत की मुखिया का पति बताया जाता है। पुलिस की सूची के अनुसार, देवा गुप्ता के खिलाफ हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न मामले दर्ज हैं। वहीं, कमरुद्दीन अंसारी उर्फ ढोलकिया पर हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और आर्म्स एक्ट जैसे संगीन मामलों का आपराधिक इतिहास है। सीसीए-3 के तहत कार्रवाई के लिए पिछले दो वर्षों में कम से कम दो आपराधिक मामलों में चार्जशीटेड होने की शर्त को भी आधार बनाया जा रहा है। प्रस्ताव सक्षम प्राधिकार को भेजा गया है, जहां नियमानुसार आगे की प्रक्रिया पूरी होगी। इधर, पुलिस अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को भी चिह्नित कर रही है। उनके आपराधिक रिकॉर्ड की समीक्षा कर सीसीए के तहत कार्रवाई के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं।

छठ पूजा से पहले शिक्षकों का वेतन भुगतान सुनिश्चित करे सरकार: मृत्युंजय ठाकुर

जाँच के नाम पर अक्टूबर माह के वेतन में विलंब नहीं करने की अपील, नवंबर के वेतन के साथ नियमानुसार समायोजन का सुझाव

बीएनएम @ मोतिहारी



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को देखते हुए परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार प्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने बिहार सरकार से राज्य के शिक्षकों का अक्टूबर माह का वेतन निर्धारित समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने माननीय शिक्षा मंत्री, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं निदेशक, प्राथमिक शिक्षा से इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने की अपील की है। मृत्युंजय ठाकुर ने कहा कि छठ पूजा बिहार का प्रमुख लोक आस्था का महापर्व है, जिसका शिक्षकों और उनके परिवारों के लिए विशेष धार्मिक, सामाजिक एवं पारिवारिक महत्व है। इस अवसर पर पूजा-सामग्री, प्रसाद, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि की जरूरत होती है। ऐसे में समय पर वतन भुगतान नहीं होने से शिक्षकों और उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वेतन विसंगति एवं कथित अधिक वेतन भुगतान से संबंधित मामलों की जाँच प्रक्रिया चल रही है। ऐसी स्थिति में जाँच के नाम पर अक्टूबर माह के नियमित वेतन भुगतान में विलंब होने की आशंका से शिक्षकों के बीच चिंता है। सरकार को इस विषय पर संवेदनशीलता दिखाते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जाँच प्रक्रिया के कारण शिक्षकों का नियमित वेतन बाधित न हो। मृत्युंजय ठाकुर ने सरकार से तीन प्रमुख मांगें की हैं। इनमें अक्टूबर माह के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करना, वेतन विसंगति से संबंधित जाँच के कारण नियमित वेतन भुगतान बाधित नहीं होने देना तथा संबंधित मामलों की जाँच नियमानुसार जारी रखते हुए आवश्यक समायोजन एवं अन्य कार्रवाई नवंबर माह के वेतन भुगतान के साथ नियमानुसार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि वेतन से संबंधित किसी भी प्रकार की विसंगति की जाँच करना विभाग का अधिकार है, लेकिन इसके कारण शिक्षकों को त्योहार के समय आर्थिक संकट में डालना उचित नहीं होगा। जाँच और नियमित वेतन भुगतान की प्रक्रिया को अलग-अलग रखते हुए दोनों कार्य नियमानुसार किए जा सकते हैं। अंत में उन्होंने बिहार सरकार से आग्रह किया कि शिक्षकों की भावनाओं, पारिवारिक आवश्यकताओं एवं छठ महापर्व की महत्ता को ध्यान में रखते हुए अक्टूबर माह के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिक्षक और उनके परिवार पूरे श्रद्धा एवं उल्लास के साथ इस महापर्व को मना सकें।

जिलाधिकारी ने की अभियान 'कायाकल्प' की प्रगति की समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने नगर के समाहरणालय परिसर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जिले में संचालित अभियान 'कायाकल्प' की प्रगति की समीक्षा सोमवार को की गई। उक्त बैठक में जिले के सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) उपस्थित रहे, जबकि सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से विद्यालयों में चल रहे रंग-रोगन कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा इस कार्य में और तेजी लाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने निर्देश दिया कि जिले के सभी भवनहीन विद्यालयों के लिए संबंधित अंचलों के अंचल अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि ऐसे विद्यालयों के लिए भवन निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा सके।



उन्होंने सभी डीसीएलआर को निर्देश दिया कि वे इस कार्य में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। साथ ही, जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अभियान 'कायाकल्प' के तहत संचालित कार्यों का नियमित रूप से अनुश्रवण करने तथा प्रगति की समीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

स्कूल की चारदीवारी में ग्रेड-ए की जगह ग्रेड-बी ईंट लगाने का आरोप, जांच का आदेश

लोक शिकायत निवारण प्राधिकार सख्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी करेंगे जांच; दोषी अभिकर्ता और कर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी





पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया प्रखंड की बिजलीपुर पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय खगनी में चारदीवारी निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। निर्माण कार्य में प्राक्कलन के अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल नहीं किए जाने की शिकायत पर जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकार के द्वितीय अपीलीय प्राधिकार ने सख्त रुख अपनाया है। प्राधिकार ने जिला पंचायत राज पदाधिकारी, मोतिहारी को मामले की जांच कर दोषी अभिकर्ता एवं कर्मियों को चिह्नित करने और उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इस आदेश से पंचायत में कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जांच रिपोर्ट में ईंट की गुणवत्ता पर सवाल-शिकायतकर्ता विकास कुमार पासवान ने बिजलीपुर पंचायत के वार्ड नंबर-04 स्थित विद्यालय में चारदीवारी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से नहीं कराए जाने का आरोप लगाते हुए परिवाद दायर किया था। मामले की सुनवाई के दौरान संबंधित पंचायत सचिव एवं तकनीकी सहायक से स्पष्टीकरण मांगा गया। इसके बाद योजना का स्थलीय निरीक्षण कराया गया। आदेश में दर्ज जांच निष्कर्ष के अनुसार, प्राक्कलन में निर्धारित ग्रेड-ए ईंट के स्थान पर ग्रेड-बी ईंट के इस्तेमाल की बात सामने आई। आदेश में ग्रेड-ए ईंट का सरकारी मूल्य 6737.62 रुपये प्रति हजार, जबकि ग्रेड-बी ईंट का मूल्य 6191.04 रुपये प्रति हजार बताया गया है। दोनों श्रेणियों की ईंटों के मूल्य में अंतर के साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि, ईंटों के इस्तेमाल से संबंधित आरोपों की जिम्मेदारी तय करने के लिए विस्तृत जांच और विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी।

पहले के आदेश के अनुपालन पर भी सवाल-प्राधिकार ने अपने आदेश में कहा है कि पूर्व में पारित अंतरिम आदेश के अनुपालन के लिए पर्याप्त कार्रवाई नहीं की गई। स्पष्टीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद शिकायत का संतोषजनक निपटारा नहीं हो सका। इसे गंभीर मामला मानते हुए 14 सितंबर 2026 को पारित आदेश में जिला पंचायत राज पदाधिकारी को अपने स्तर से जांच कर दोषी अभिकर्ता एवं कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आदेश की प्रति प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, तुरकौलिया और प्रखंड विकास पदाधिकारी, तुरकौलिया को भी भेजने का निर्देश है। अब निगाहें विभागीय जांच पर टिकी हैं। जांच में यह स्पष्ट होगा कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का उल्लंघन हुआ या नहीं और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

संक्षिप्त समाचार

घोड़ासहन के महदेवा में विवाद के बाद अजय सिंह पर चाकू से जानलेवा हमला

पाइप पर मिट्टी डालने को लेकर शुरू हुआ था विवाद, रास्ते में घेरकर किया गया हमला; घायल अजय सिंह का सीएचसी में इलाज जारी, पुलिस कर रही जांच

बीएनएम @ घोड़ासहन। थाना क्षेत्र के महदेवा गांव में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पाइप के ऊपर मिट्टी डालने को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुई कहासुनी के बाद एक व्यक्ति पर चाकू से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से घोड़ासहन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, पाइप के ऊपर मिट्टी डालने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। हालांकि, उस समय स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत करा दिया था। लेकिन आरोप है कि विवाद की रंजिश में कुछ देर बाद ही घटना को अंजाम दिया गया। पीड़ित पक्ष के अनुसार, अजय सिंह जब अपने गोआस की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में कथित तौर पर पहले से घात लगाए बैठे चंदन कुमार, धीरज कुमार और उनके परिवार की कुछ महिलाओं ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि इसी दौरान चंदन कुमार और धीरज कुमार ने पीछे से अचानक उन पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में चाकू अजय सिंह के दाहिने कूल्हे में जा लगी। वहीं, हमले से बचने के दौरान हुई छीना-झपटी में उनके दाहिने हाथ में भी चाकू लग गई। देखते ही देखते वे लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल अजय सिंह को तत्काल घोड़ासहन सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इधर, घटना को लेकर पीड़ित पक्ष ने घोड़ासहन थाने में लिखित आवेदन देकर नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई और आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज में पटाखा फोड़ने के विवाद में छात्रों के बीच मारपीट, प्राथमिकी दर्ज; एसडीएम-एसडीपीओ करेंगे संयुक्त जांच

बीएनएम @ मोतिहारी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बनकट स्थित मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज में पटाखा फोड़ने को लेकर 2025 और 2026 बैच के छात्रों के बीच विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। घटना में दोनों पक्षों के कुछ छात्र घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर को दूरभाष के माध्यम से सूचना मिली कि कॉलेज परिसर में पटाखा फोड़ने को लेकर 2025 और 2026 बैच के छात्रों के बीच विवाद हो गया है। इसके विरोध में 2026 बैच के कुछ छात्र धरने पर बैठ गए। इसी दौरान दोनों बैच के छात्रों के बीच कहासुनी और विवाद बढ़ने के बाद मारपीट हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के कुछ छात्र घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक, मोतिहारी, अंचल पुलिस निरीक्षक, मुफस्सिल और थानाध्यक्ष मुफस्सिल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस पदाधिकारियों ने मामले की जांच की और घटना की पुष्टि की। इसके बाद कॉलेज प्रशासन, छात्रों और प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर छात्रों की समस्याएं सुनी गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-1 को संयुक्त रूप से घटना की जांच करने का निर्देश दिया गया है। जांच के दौरान कॉलेज प्रशासन की भूमिका की भी पड़ताल की जाएगी। पुलिस के अनुसार, मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इधर, मोतिहारी पुलिस ने सभी छात्र-छात्राओं से शैक्षणिक संस्थानों में अनुशासन और आपसी सम्मान बनाए रखने की अपील की है। पुलिस ने रैगिंग और हिंसा जैसी घटनाओं को गंभीरता से लेने की बात कही है। साथ ही ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तत्काल कॉलेज प्रबंधन अथवा पुलिस को देने की अपील की है।

वैशाली में मुठभेड़, ज्वेलर्स लूटकांड का मुख्य आरोपी घायल

पुलिस कस्टडी से फरार चल रहा था कुख्यात अपराधी, संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दबोचा

बीएनएम @ हाजीपुर। वैशाली जिले में रविवार देर रात पुलिस और एक कुख्यात अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अनिल ज्वेलर्स लूटकांड का मुख्य आरोपी राज नंदन कुमार उर्फ छोटू गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आनन-फानन में उसे इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कड़ी सुरक्षा के बीच डॉक्टरों की टीम उसका उपचार कर रही है। मुठभेड़ की यह घटना हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के मलमला चंवर की बताई जा रही है। घायल अपराधी की पहचान दिग्घी कला निवासी चंदेश्वर राय के पुत्र राज नंदन कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है। पुलिस की फायरिंग में उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि समस्तीपुर कोर्ट से फरार चल रहा कुख्यात अपराधी छोटू अपने गांव के आसपास मलमला चंवर में छिपा हुआ है। बताया गया कि वह किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ-1 सुबोध कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ और सदर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में छापेमारी की योजना बनाई। रविवार देर रात पुलिस टीम ने मलमला चंवर की चारों ओर से घेराबंदी कर दी। पुलिस की भनक लगते ही आरोपी ने खुद को घिरा हुआ देख टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। इसी दौरान पुलिस की गोली उसके दाहिने पैर में जा लगी। गोली लगने से वह घायल होकर गिर पड़ा, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उसकी आपराधिक गतिविधियों और फरारी से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।

नशामुक्ति का संदेश घर-घर पहुंचाएंगी जीविका दीदियां

नशे के खिलाफ महिलाओं ने उठाई बदलाव की जिम्मेदारी, बच्चों और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने का लिया संकल्प

बीएनएम @ पहाड़पुर



नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने और समाज को इसके दुष्परिणामों से बचाने के लिए अब जीविका दीदियां गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाएंगी। वे घर-घर जाकर लोगों को शराब समेत अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करेंगी। साथ ही बच्चों और युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाने के लिए भी विशेष पहल करेंगी। नशामुक्त भारत अभियान के तहत पहाड़पुर प्रखंड क्षेत्र के सिसवा बाजार स्थित सागर सीएलएफ कार्यालय और नौवाडीह पंचायत स्थित संगम सीएलएफ कार्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अरेराज उत्पाद विभाग के एएसआई उत्पल कुमार प्रजापति, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की रागिनी दीदी एवं मंजू दीदी तथा जीविका के एसी उत्तम कुमार, सीसी नीतेश कुमार, संजय कुमार और विजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रागिनी दीदी ने कहा कि नशे की लत केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। इसके कारण परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के साथ घरेलू कलह और अशांति भी बढ़ती है। नशे की वजह से न जाने कितने परिवार बर्बाद हो चुके हैं। ऐसे में महिलाओं को सामाजिक बदलाव की जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने जीविका दीदियों से अपने-अपने गांवों में शराब के साथ गांजा, चरस और अफीम जैसे मादक पदार्थों के दुष्परिणामों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की अपील की। वहीं, उत्पाद विभाग के एएसआई उत्पल कुमार प्रजापति ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूकता के साथ सामूहिक भागीदारी भी जरूरी है। जीविका दीदियां अपने सामाजिक जुड़ाव और अनुभव का उपयोग कर नशे की लत से प्रभावित लोगों एवं उनके परिजनों को इसके दुष्परिणामों के बारे में समझाएं। उन्होंने कहा कि लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना और इस अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जीविका दीदियों और अन्य लोगों ने अपने परिवार, गांव और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। साथ ही नशे के खिलाफ अभियान चलाने और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने की शपथ भी ली। मौके पर शारदा देवी, कौशल खातून, रानी देवी, चंदन कुमार, सुनील राम, खुशबू रानी, रूबी कुमारी सहित बड़ी संख्या में जीविका दीदियां मौजूद थीं।

मुजफ्फरपुर में गैस पाइपलाइन ब्लास्ट, आग की चपेट में आने से एक की मौत, चार घायल

» गोबरसही में नाला निर्माण के दौरान मशीन से क्षतिग्रस्त हुई जमीन के नीचे बिछी पीएनजी पाइपलाइन, गैस रिसाव के बाद लगी आग; एहतियातन इलाका कराया गया खाली

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर



शहर के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोबरसही में नाला निर्माण के लिए सड़क की खोदाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। खुदाई मशीन से जमीन के नीचे बिछी पीएनजी गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे तेज गति से गैस का रिसाव होने लगा। कुछ ही देर में गैस ने आग पकड़ ली और मौके पर आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाला निर्माण के लिए सड़क की खोदाई चल रही थी। इसी दौरान मशीन की चपेट में आने से गैस पाइपलाइन फट गई। पाइपलाइन से तेजी से गैस निकलने लगी। इसके बाद अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें उठते ही आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एहतियातन आसपास के क्षेत्र को खाली करा दिया गया। अग्निशमन विभाग की टीम को भी सूचना दी गई। मौके पर राहत एवं बचाव की तैयारी के साथ स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी : कृष्णनंदन पासवान

बीएनएम @ तुरकौलिया



लोकतंत्र की मजबूती और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान व्यवस्था को सही दिशा देने वाली ताकत भी हैं। ऐसे में युवाओं को राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक रहने के साथ तथ्यों के आधार पर सही और गलत का अंतर समझना चाहिए। उक्त बातें सोमवार को तुरकौलिया स्थित उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान ने कहीं। 'लोकतंत्र बनाम अराजकता' विषय पर आयोजित इस संवाद में विधायक ने वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज लोकतंत्र के नाम पर युवाओं को गुमराह करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वोट चोरी और एसआईआर जैसे मुद्दे भी चर्चा के केंद्र में रहे। उन्होंने नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका की परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि इन देशों के घटनाक्रम से सबक लेकर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और स्थिरता को बनाए रखना जरूरी है। विधायक ने युवाओं से अपील की कि वे किसी भी राजनीतिक या सामाजिक मुद्दे पर बिना तथ्यों की जानकारी के अपनी राय न बनाएं। सही जानकारी हासिल करें और समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता फैलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में भाजपा नेता दीपक शर्मा, समाजसेवी राजकिशोर कुशवाहा, ध्रुव पवन कुमार, सिद्ध कुमार, किशन कुमार, रवि कुमार, बबीनी कुमारी, ज्योति कुमारी, निशा कुमारी सहित विद्यालय के शिक्षक पंकज कुमार, जयप्रकाश कुमार, सुनील कुमार, उपदेश कुमार, राहुल कुमार एवं मनीष कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

29 हजार रुपये रिश्वत लेते साहेबपुर कमाल थाने का एएसआई गिरफ्तार

» शराब लदी कार के केस से नाम हटाने के एवज में मांगी थी रिश्वत, प्रखंड कार्यालय गेट के सामने निगरानी टीम ने दबोचा

बीएनएम @ पटना/बेगूसराय



बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) चंदन कुमार झा को 29 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। निगरानी ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने उन्हें साहेबपुर कमाल प्रखंड कार्यालय के गेट के सामने सड़क किनारे से गिरफ्तार किया। आरोपी पुलिस पदाधिकारी पर शराब लदी कार से जुड़े मामले में नाम हटाने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है निगरानी ब्यूरो के अनुसार, साहेबपुर कमाल निवासी अमित कुमार ने पटना स्थित ब्यूरो कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि साहेबपुर कमाल थाना कांड संख्या 279/26, दिनांक 16 अक्टूबर 2026 में शराब लदी हुंडई आई-20 कार पकड़ी गई थी। परिवादी का कहना था कि कार के मालिक ने वाहन को पहले ही एक हजार रुपये के स्टांप पेपर पर बेच दिया था। इसके बावजूद उक्त मामले से नाम हटाने के एवज में एएसआई चंदन कुमार झा रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत मिलने के बाद निगरानी ब्यूरो ने उसका सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि होने पर निगरानी थाना कांड संख्या 127/26 दर्ज किया गया। इसके बाद वरीय पुलिस उपाधीक्षक गौतम शरण ओमी के नेतृत्व में धावादल गठित किया गया। सोमवार को टीम ने कार्रवाई करते हुए एएसआई को 29 हजार रुपये लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है। निगरानी ब्यूरो के अनुसार, पूछताछ के बाद उन्हें विशेष न्यायालय, निगरानी, भागलपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे का अनुसंधान जारी है।

निगरानी की कार्रवाई में 116वां ट्रैप कांड-निगरानी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में भ्रष्टाचार के विरुद्ध यह 127वां प्राथमिकी दर्ज करने का मामला है। एक अन्य जिला से स्थानांतरित कांड मिलाकर ब्यूरो कुल 128 मामलों का अनुसंधान कर रहा है। वहीं, रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तारी का यह 116वां ट्रैप कांड है। इन मामलों में अब तक कुल 116 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। रिश्वत के रूप में कुल 40 लाख 48 हजार 400 रुपये और 37 हजार रुपये मूल्य की एक नई वाशिंग मशीन बरामद की गई है। वर्ष 2025 में 101 ट्रैप कांड दर्ज किए गए थे, जिनमें 37 लाख 80 हजार 300 रुपये और 19,800 रुपये मूल्य की एक वाशिंग मशीन बरामद हुई थी।

पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 40 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त



बीएनएम @ मोतिहारी/मलाही

पूर्वी चंपारण जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ मलाही थाना पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। थानाध्यक्ष सौरभ कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक धंधेबाज को धर दबोचा। इस दौरान शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक हीरो स्पलेंडर प्रो मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 224 पीस यानी प्रत्येक 180 एमएल के हिसाब से कुल 40.320 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। साथ ही मौके से परिवहन में प्रयुक्त हीरो स्पलेंडर प्रो मोटरसाइकिल जिसका पंजीयन संख्या BR22B 9457 है, उसे भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राजेश कुमार, पिता मोदी प्रसाद महतो, साकिन कोतराहाँ, थाना नौतन, जिला पश्चिमी चम्पारण के रूप में की है। इस संबंध में मलाही थाना कांड संख्या 304/26 के तहत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मलाही थाना पुलिस का कहना है कि शराब माफियाओं और तस्करों के खिलाफ इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पौधारोपण कर बच्चों ने दिया ग्रीन दिवाली का संदेश

» गुरुकुलम स्कूल की पहल पर बागौत बाबा स्थान पर लगा पर्यावरण संरक्षण का पाठ, ग्रामीणों ने भी लिया हरियाली का संकल्प

बीएनएम @ मोतिहारी



दीपावली पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए गुरुकुलम स्कूल की ओर से सोमवार को अजगरी पंचायत स्थित बागौत बाबा स्थान पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'पर्यावरण की पाठशाला -सह- पौधारोपण' अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने पौधे लगाकर ग्रीन दिवाली मनाने का संकल्प लिया। मौके पर गुरुकुलम स्कूल के शुभेंदु कुमार साहू ने कहा कि बच्चों और युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। बच्चों को बचपन से ही पेड़-पौधों के महत्व और पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों को समझना होगा। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने कहा कि त्योहारों की खुशियों के साथ पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखना भी जरूरी है। दीपावली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए पटाखों के अनावश्यक इस्तेमाल से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण जैसी पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि नई पीढ़ी में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता भी विकसित होती है। कार्यक्रम में ग्रामीणों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पौधारोपण कर पेड़ों के संरक्षण और गांव में स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रविकांत सिंह एवं पूर्व मुखिया अरविंद कुमार सिंह की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से अपील की गई कि दीपावली पर पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से बचें और पौधे लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित बनाएं।

हरसिद्धि में पीपल का पेड़ जब्त करने के नाम पर खानापूर्ति का आरोप, ज्यादातर लकड़ियां गायब

» अंचल कार्यालय से महज 200 मीटर दूर सरकारी जमीन पर काटा जा रहा था पेड़, वायरल खबर के बाद वन विभाग ने की कार्रवाई; ट्रैक्टर जब्त नहीं होने पर भी उठे सवाल

बीएनएम @ निरज आनंद





मोतिहारी। सरकारी जमीन पर हरे-भरे पीपल के पेड़ की कटाई का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। वायरल खबर के बाद वन विभाग ने पेड़ को जब्त करने की कार्रवाई की, लेकिन अब जब्ती की प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि पेड़ जब्त करने के नाम पर महज खानापूर्ति की गई और पेड़ के ज्यादातर हिस्सों को इधर-उधर छिपा दिया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब पेड़ जब्त किया गया, तो उसकी शेष लकड़ियां कहां गईं? जानकारी के अनुसार, रविवार को अंचल कार्यालय से महज 200 मीटर की दूरी पर सरकारी जमीन पर पीपल के हरे-भरे पेड़ की कटाई की जा रही थी। इस दौरान मौके पर ट्रैक्टर भी दिखाई दिया था। पेड़ कटाई से संबंधित खबर वायरल होने के बाद वन विभाग ने मामले में संज्ञान लिया और पेड़ को जब्त करने की कार्रवाई की। हालांकि, अब लकड़ियों की बरामदगी और जब्ती की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाया जा रहा है कि पेड़ के ज्यादातर हिस्से जब्त करने के बजाय इधर-उधर छिपा दिए गए। यदि ऐसा हुआ है, तो यह जांच का विषय है कि लकड़ियों को पूरी तरह कब्जे में क्यों नहीं लिया गया। वहीं, मौके पर मौजूद ट्रैक्टर को जब्त नहीं किए जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि अंचल प्रशासन ने समय रहते संज्ञान लिया होता, तो पेड़ कटाई में इस्तेमाल हो रहे ट्रैक्टर को भी जब्त किया जा सकता था। अंचल कार्यालय से महज 200 मीटर की दूरी पर सरकारी जमीन पर पेड़ की कटाई होती रही, लेकिन समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई, यह सवाल भी चर्चा में है। अब मामला सामने आने के बाद संबंधित विभागों की कार्रवाई और जवाबदेही पर नजरें टिकी हैं। इस संबंध में वन विभाग के रेंजर राजेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि पीपल के पेड़ की कटाई के बाद उसकी पूरी लकड़ी कहां गई और जब्ती की कार्रवाई में सभी हिस्सों को कब्जे में लिया गया या नहीं। सरकारी जमीन पर पेड़ कटाई के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान और मौके पर मौजूद ट्रैक्टर को जब्त नहीं किए जाने के कारणों की जांच से ही मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी।

इंटरनेट बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं

अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि बच्चों को भी बालिगों की तरह इंटरनेट के उपयोग का अधिकार है। 'सुरक्षाÓ के नाम पर इंटरनेट तक उनकी पहुंच रोकी नहीं जा सकती। इस रूप में कोर्ट ने आधुनिक जीवन में इंटरनेट के महत्त्व को रेखांकित किया है। यह सराहनीय है कि कोर्ट ने प्रतिबंध ही सुरक्षा है, जैसी प्रशासनिक सोच को खारिज कर दिया। दरअसल, बच्चों को साइबरस्पेस से बाहर निकालना पीड़ित को ही समस्या मान लेने जैसा है। उचित ही न्यायालय ने इस नजरिए को ठुकरा दिया। इसके बावजूद इस फैसले में कई समस्याएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खुद अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। यानी सेवा प्रदाता प्लेटफॉर्म कंपनियों को जवाबदेही से पूरी तरह मुक्त कर दिया। कोर्ट ने इन कंपनियों से बाल यौन शोषण सामग्री हटाने को कहा तो है, लेकिन उनके अनिवार्य तकनीकी ऑडिट और सजा का कोई प्रावधान नहीं किया। अदालत की यह राय वाजिब है कि दूरदराज के इलाकों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पास अक्सर सीखने और दुनिया से जुडऩे का एकमात्र माध्यम इंटरनेट ही होता है। लेकिन ऐसी स्थिति में प्लेटफॉर्म कंपनियों की जवाबदेही तय करने का सिस्टम और जरूरी हो जाता है। गरीब परिवारों में माता-पिता अक्सर डिजिटल साक्षर नहीं होते। उनके बच्चे सस्ते स्मार्टफोन के जरिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं। डिवाइस सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, और सामग्री फिल्टरिंग के अभाव में इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार किस हद तक सशक्तीकरण है, यह सवाल बना रहेगा। वैसे भारत में व्यापक दायरे में भी अधिकार और उसके उपभोग की स्थितियों ने एक विरोधाभास खड़ा कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट पहले निर्णय दे चुका है कि बार-बार इंटरनेट शट-डाइन नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन है। लेकिन इससे शटडाउन पर रोक नहीं लगी है। भारत सबसे ज्यादा ऐसा शट-डाउन करने वाला देश बना हुआ है। इसीलिए अधिकार की हर न्यायिक घोषणा के व्यावहारिक महत्त्व पर अक्सर नया सवाल उठ खड़ा होता है।

कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण

विकास

कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण भारत के उद्योगों को नेट ज़ीरो भविष्य की ओर अग्रसर करना

भारत को वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचाने में कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस तकनीक के माध्यम से औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में पहुंचने से पहले ही एकत्र किया जाता है। इसके बाद इसका उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जा सकता है या इसे जमीन के भीतर सुरक्षित रूप से भंडारित किया जा सकता है। इससे न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

सरकार इस क्षेत्र में ऐसा तंत्र विकसित करने पर काम कर रही है, जिसमें अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमोंऔर निजी उद्योगों को एक साथ लाया जा रहा है। देश के कई राज्यों में इस तकनीक से जुड़ी परियोजनाएं संचालित हैं, जबकि कुछ निर्माणाधीन और प्रस्तावित चरण में हैं। इन पहलों का उद्देश्य स्वदेशी कार्बन संग्रहण तकनीक, कार्बन के उपयोग और सुरक्षित भंडारण की क्षमता विकसित करना है।

भारत की वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन की यात्रा के लिए ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन घटाना आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा से उत्सर्जन में काफी कमी लाई जा सकती है, लेकिन कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में अत्यधिक तापमान अथवा कार्बन आधारित कच्चे माल की आवश्यकता होती है। ऐसे उद्योगों का पूरी तरह विद्युतीकरण करना आसान नहीं है। कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण तकनीक इन क्षेत्रों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराती है।

नीति आयोग ने इस्पात, सीमेंट, तेल एवं गैस, पेट्रोरसायन, रसायन और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन कम करने के लिए इस तकनीक को महत्वपूर्ण माना है। ये उद्योग औद्योगिक उत्सर्जन में बड़ा योगदान देते हैं और इनके उत्सर्जन को व्यापक स्तर पर कम करना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है। सीसीयूएस तकनीक मौजूदा संयंत्रों से उत्सर्जन घटाने के साथ आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन जारी रखने में भी मदद कर सकती है। इससे नई तकनीकों, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक क्षमताओं के विकास के अवसर भी पैदा होंगे।

कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण की प्रक्रिया मुख्य रूप से तीन चरणों में पूरी होती है। पहले चरण में औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली गैसों से कार्बन डाइऑक्साइड को अलग किया जाता है। इसके लिए विशेष संग्रहण प्रणालियों का उपयोग होता है। एकत्र की गई गैस को शुद्ध और सुखाने के बाद दबाव के साथ सघन रूप में तैयार किया जाता है, ताकि इसे आगे परिवहन या उपयोग के लिए भेजा जा सके। दूसरे चरण में संग्रहित कार्बन डाइऑक्साइड को उपयुक्त स्थान तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए सामान्यतः पाइपलाइन का उपयोग किया जाता है। लंबी दूरी तक परिवहन के लिए जहाज और अन्य साधन भी उपयोगी हो सकते हैं। परिवहन का माध्यम दूरी, मात्रा, उपलब्ध बुनियादी ढांचे और गंतव्य के आधार पर तय किया जाता है। तीसरे चरण में एकत्र कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जाता है अथवा इसे जमीन के भीतर स्थायी रूप से भंडारित किया जाता है। इसका उपयोग खाद्य एवं पेय पदार्थ, यूरिया, हरित मेथनॉल, कंक्रीट और उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति जैसी प्रक्रियाओं में किया जा सकता है। स्थायी भंडारण के लिए कार्बन डाइऑक्साइड को जमीन के काफी नीचे स्थित उपयुक्त भूगर्भीय संरचनाओं में पहुंचाया जाता है। इनमें समाप्त हो चुके तेल एवं गैस भंडार, गहरे खारे जल वाले भूस्तर और बेसाल्ट चट्टानों की संरचनाएं शामिल हैं।

क्षेत्रीय केंद्रों और साझा ढांचे पर जोर

भारत में सीसीयूएस के विकास के लिए क्षेत्रीय केंद्रों और औद्योगिक समूहों की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। इसके तहत कई औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को एकत्र कर साझा पाइपलाइन और परिवहन नेटवर्क के माध्यम से उपयोग अथवा भंडारण स्थलों तक पहुंचाया जा सकता है। नीति आयोग ने भारत के लिए इस केंद्र आधारित व्यवस्था को उपयुक्त माना है। इससे बड़े स्तर पर लागत कम करने, बुनियादी ढांचे से जुड़े जोखिम घटाने और कार्बन डाइऑक्साइड की उपलब्धता को संभावित मांग से जोडऩे में मदद मिल सकती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वर्ष 2025 के सीसीयूएस कार्ययोजना दस्तावेज में ऐसे औद्योगिक और भूगर्भीय क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां इस प्रकार के केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। इनमें रिफाइनरी और रासायनिक उद्योगों की अधिकता वाला गुजरात का तटीय क्षेत्र, इस्पात और सीमेंट उद्योगों वाला ओडिशा-झारखंड क्षेत्र तथा तेल एवं गैस संसाधनों से जुड़ा पूर्वोत्तर भारत शामिल है। इस्पात, सीमेंट, रिफाइनरी, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों में उत्पादन प्रक्रिया के दौरान सीधे कार्बन डाइऑक्साइड निकलती है। केवल नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाली बिजली अपनाने से इन उत्सर्जनों को पूरी तरह समाप्त करना कठिन हो सकता है। उपलब्ध अनुमान के अनुसार, इन कठिन उद्योगों और ताप विद्युत उत्पादन से होने वाला उत्सर्जन वर्ष 2030 तक लगभग 2,300 मिलियन टन प्रतिवर्ष पहुंच सकता है। ऐसे में कार्बन संग्रहण और उसका सुरक्षित उपयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। अगस्त 2026 तक भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता में जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी 45.12 प्रतिशत थी। स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव के दौरान मौजूदा ऊर्जा और औद्योगिक ढांचे का उपयोग जारी रहने की संभावना है। इसलिए ताप विद्युत संयंत्रों और उद्योगों से होने वाले उत्सर्जन को नियंत्रित करना भी जरूरी होगा। सीसीयूएस प्रणालियों को मौजूदा ताप विद्युत, इस्पात और सीमेंट संयंत्रों में स्थापित कर उत्सर्जन कम करने की संभावनाएं हैं। कार्बन संग्रहण तकनीक भारत में निम्न कार्बन हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था विकसित करने में भी सहायक हो सकती है। कोयला गैसीकरण के माध्यम से हाइड्रोजन उत्पादन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड को एकत्र कर उसका सुरक्षित उपयोग या भंडारण किया जा सकता है। कोयला गैसीकरण में नियंत्रित ताप के जरिए ठोस कोयले को उपयोगी गैस में बदला जाता है। इस गैस को संश्लेषण गैस कहा जाता है। इस प्रक्रिया में कोयला सीमित मात्रा में ऑक्सीजन और भाप के साथ प्रतिक्रिया करता है। सामान्यतः 800 से 1,600 डिग्री सेल्सियस तापमान पर कोयले की जटिल संरचना टूटकर सरल गैसों में परिवर्तित होती है। इसके दो स्थापित तरीके हैं। पहला, सतही कोयला गैसीकरण, जिसमें जमीन से निकाले गए कोयले को गैसीकरण संयंत्रों में संसाधित किया जाता है। दूसरा, भूमिगत कोयला गैसीकरण, जिसमें कोयले को जमीन के भीतर ही गैस में बदला जाता है। हरित हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली के जरिए पानी के विद्युत अपघटन से किया जाता है, जबकि नीले हाइड्रोजन के उत्पादन में प्राकृतिक गैस या कोयले जैसे कच्चे माल का उपयोग किया जाता है। कार्बन संग्रहण तकनीक के साथ नीले हाइड्रोजन के उत्पादन से उत्सर्जन कम करने में मदद मिल सकती है।सीसीयूएस व्यवस्था के अंतर्गत एकत्र कार्बन डाइऑक्साइड को केवल भंडारित करने के बजाय विभिन्न औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में कच्चे माल के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके संभावित उपयोगों में कंक्रीट और निर्माण सामग्री, कृत्रिम ईंधन, रसायन, बहुलक, उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति तथा शैवाल आधारित जैव ईंधन और अन्य उत्पाद शामिल हैं।

इससे कार्बन प्रबंधन के साथ औद्योगिक मूल्यवर्धन और संसाधनों के बेहतर उपयोग के अवसर पैदा हो सकते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड को उपयोगी उत्पादों में बदलने की यह प्रक्रिया चक्रीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहित कर सकती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से दो प्रौद्योगिकी परीक्षण परियोजनाओं को समर्थन दिया है। इनमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली और थर्मेक्स लिमिटेड तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के बीच सहयोग शामिल है।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य कोयला गैसीकरण संयंत्रों में मेथनॉल और डाइमिथाइल ईथर के उत्पादन के लिए परीक्षण स्तर पर तकनीक विकसित करना है। इनके माध्यम से उद्योग और अनुसंधान संस्थान मिलकर ताप विद्युत जैसे कठिन क्षेत्रों में कार्बन संग्रहण एवं उपयोग तकनीक के प्रयोग को आगे बढ़ाएंगे। मई 2026 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में देश की पहली एकीकृत कार्बन संग्रहण, उपयोग एवं भंडारण क्षेत्रीय प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। यह प्रयोगशाला एक ही परीक्षण मंच पर कार्बन संग्रहण, उपयोग और स्थायी भूगर्भीय भंडारण की सुविधाएं उपलब्ध कराती है। यह स्वदेशी संयंत्र औद्योगिक उत्सर्जन और आसपास की हवा से प्रतिदिन तीन टन तक कार्बन डाइऑक्साइड एकत्र कर सकता है। इसमें गैर-पेयजल का उपयोग करके एकत्र कार्बन डाइऑक्साइड को उपयोगी कार्बोनेट और बाइकार्बोनेट उत्पादों में बदला जा सकता है। दक्कन क्षेत्र की बेसाल्ट चट्टानों में वैज्ञानिक ड्रिलिंग के माध्यम से सुरक्षित और स्थायी कार्बन भंडारण की संभावनाओं का भी आकलन किया जाएगा। यह प्रयोगशाला स्वदेशी कार्बन प्रबंधन तकनीकों के विकास और विस्तार के लिए राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र के रूप में काम करेगी।

लोकतंत्र की असली लड़ाई वोटों की नहीं, रेफ़री की निष्पक्षता की है



प्रो. पूर्णेंदु रंजन

एक ही हफ़्ते में दिल्ली की सड़कों पर दो मार्च हैं, और नारा लगभग एक जैसा। 28 अक्टूबर को भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने चाँदनी चौक में "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" पदयात्रा निकाली। अब इंडिया गठबंधन 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का "जन-महाभियोग" करने जा रहा है और 1 नवंबर को रामलीला मैदान में उसकी रैली का नारा भी "लोकतंत्र बचाओ" है। जब हर पक्ष ख़ुद को लोकतंत्र का रखवाला बताने लगे, तो समझना चाहिए कि असली संघर्ष सत्ता का नहीं, "लोकतंत्र" शब्द के अर्थ का है। आज भारत की राजनीति को लेकर दो अलग-अलग कहानियाँ सुनाई जा रही हैं। पहली कहती है कि देश धीरे-धीरे "चुनावी तानाशाही" की ओर बढ़ रहा है, जहाँ चुनाव तो होते हैं लेकिन मैदान बराबर नहीं रहता। दूसरी कहानी का दावा है कि भारतीय लोकतंत्र अपनी स्वाभाविक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है, जिसमें पुराने समीकरण टूटते हैं, नई शक्तियाँ उभरती हैं और अंततः व्यवस्था अपनी बहुलता को पुनः स्थापित कर लेती है। दोनों कथाओं के पास अपने-अपने सबूत हैं। इसलिए सवाल यह नहीं कि कौन-सी कहानी पूरी तरह सही है, बल्कि यह कि कौन-सी कहानी भारतीय लोकतंत्र के किस हिस्से को बेहतर समझाती है। यदि चुनावी राजनीति को देखें, तो गिरावट की कहानी को कई असहज तथ्यों से जूझना पड़ता है। 2026 में भाजपा ने पश्चिम बंगाल जीता, जिसे कभी उसकी पहुँच से बाहर माना जाता था। केरल में कांग्रेस-नीत यूडीएफ़ ने 102 सीटों के साथ वाम मोर्चे का दशक पुराना शासन समाप्त कर दिया। तमिलनाडु में एक फ़िल्म स्टार की नई पार्टी ने पहले ही चुनाव में डीएमके और अन्नाद्रमुक की जड़ जमा चुकी द्विध्रुवीय राजनीति को झटका दे दिया। बिहार में भाजपा को पहली बार अपना मुख्यमंत्री मिला। मतदाताओं ने अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग दिशाओं में सत्ता परिवर्तन किया। ऐसी राजनीतिक तरलता किसी जड़ या बंद व्यवस्था में संभव नहीं होती। सिर्फ़ चुनाव ही नहीं, नागरिक दबाव भी असर दिखाता रहा है। नीट-यूजी पेपर लीक के बाद छात्रों ने जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन किया और अंततः जुलाई में शिक्षा मंत्री को इस्तीफ़ा देना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट भी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर, पर चुनाव आयोग की भूमिका को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है। इन घटनाओं से कम-से-कम इतना तो स्पष्ट होता है कि सत्ता के बाहर भी ऐसे केंद्र मौजूद हैं जो सरकारों और संस्थाओं को जवाबदेह बना सकते हैं। लेकिन लोकतंत्र केवल इस बात से नहीं मापा जाता कि चुनाव में कौन जीतता है। उतना ही अहम सवाल यह है कि चुनावों के बीच संस्थाएँ कैसे काम करती हैं। यही वह जगह है जहाँ गिरावट की कहानी अपनी ताक़त हासिल करती है। स्वीडन स्थित वी-डेम संस्थान भारत को "चुनावी तानाशाही" की श्रेणी में रखता है। इस तरह के सूचकांकों की आलोचना की जा सकती है, और अक्सर यह सही भी है कि वे विशेषज्ञों की धारणाओं पर ज़रूरत से अधिक निर्भर रहते हैं। फिर भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया की स्वायत्तता और विपक्ष के लिए उपलब्ध राजनीतिक अवसरों को लेकर उठते सवाल केवल किसी एक रिपोर्ट की उपज नहीं हैं। 2026 की घटनाओं में भी यह बेचैनी दिखाई देती है। अप्रैल में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो गए और सभापति ने कुछ ही दिनों में उनके विलय को मान्यता दे दी। संवैधानिक या कानूनी तर्कों से इतर, इस प्रकरण ने यह भावना पैदा की कि मतदाताओं की राय लिए बिना भी दलों की शक्ति-संतुलन चुनावों के बीच बदला जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के विपक्षी नोटिस को दोनों पीठासीन अधिकारियों द्वारा अस्वीकार किए जाने से विवाद और बढ़ा। विपक्ष यह भी आरोप लगाता रहा है कि जो प्रशासनिक सुविधाएँ और अनुमतियाँ सत्ताधारी दल को सहजता से मिल जाती हैं, वे विपक्ष के लिए कठिन हो जाती हैं। "जन-महाभियोग" कार्यक्रम का खड़गे के आवास पर आयोजित होना इसी विवाद का ताज़ा उदाहरण है। अपने आप में यह शायद कोई बहुत बड़ी घटना न हो, लेकिन यह संकेत ज़रूर देती है कि सार्वजनिक स्थान और संस्थागत निष्पक्षता अब राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ चुके हैं। दरअसल, दोनों कथाएँ एक-दूसरे का खंडन नहीं करतीं। वे लोकतंत्र के अलग-अलग पहलुओं को मापती हैं। उथल-पुथल की कहानी मतपेटी पर केंद्रित है। उसका प्रश्न यह है कि क्या मतदाता अब भी सरकारों को हरा सकते हैं। गिरावट की कहानी मतपेटी के चारों ओर खड़ी संस्थागत मशीनरी को देखती है। उसका प्रश्न यह है कि क्या चुनाव आयोग, प्रशासन, मीडिया और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर सभी पक्षों का भरोसा बना हुआ है। संभव है कि चुनाव प्रतिस्पर्धी बने रहें और साथ ही उन संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर संदेह भी बढ़ता जाए जो उस प्रतिस्पर्धा को संचालित करती हैं। इसीलिए किसी लोकतंत्र की सबसे नाज़ुक संपत्ति मतदाता नहीं, बल्कि रेफ़री पर भरोसा होता है। जब आपकी पसंदीदा टीम जीत रही हो, तब रेफ़री की निष्पक्षता पर सवाल नहीं उठते। संकट तब पैदा होता है जब हारने वाली टीम नतीजे को वैध मानना बंद कर देती है। मौजूदा विवाद में एसआईआर इसी भरोसे की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा बन गया है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची की सफ़ाई के नाम पर पात्र नागरिकों को बाहर किया जा सकता है और मुख्य चुनाव आयुक्त ने निष्पक्षता नहीं बरती। सितंबर में इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों का दावा किया गया था। दूसरी ओर, इस सप्ताह आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि एसआईआर से जुड़े सभी आदेश सर्वसम्मति से पारित हुए थे और असहमति के आरोप केवल एक अख़बारी रिपोर्ट पर आधारित हैं। भाजपा का तर्क है कि मृत, स्थानांतरित या फ़र्ज़ी मतदाताओं के नाम हटाने के लिए सूची का नियमित पुनरीक्षण आवश्यक है। सच यह है कि अभी किसी भी पक्ष के दावे को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। स्वच्छ मतदाता सूची एक वैध लोकतांत्रिक उद्देश्य है और यह सुनिश्चित करना भी उतना ही वैध दायित्व है कि कोई पात्र नागरिक सूची से बाहर न हो। अदालत 17 नवंबर को अगली सुनवाई करेगी। महत्वपूर्ण यह नहीं कि फैसला किसके पक्ष में जाता है, बल्कि यह है कि पूरी प्रक्रिया इतनी पारदर्शी हो कि हारने वाला पक्ष भी उसके निष्कर्षों को स्वीकार कर सके। इसी कसौटी पर राजनीतिक भाषा की भी जाँच होनी चाहिए। विरोध को सहज रूप से "अराजकता" कह देना लोकतांत्रिक असहमति को ही संदेह की निगाह से देखने का जोखिम पैदा करता है। उसी तरह किसी संवैधानिक पदाधिकारी को न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने से पहले "वोट-चोर" घोषित कर देना संस्थाओं में भरोसे को कमजोर करता है, चाहे बाद में आरोप सही साबित हों या नहीं। आने वाले महीनों में कुछ परीक्षाएँ तय करेंगी कि भारतीय लोकतंत्र के बारे में कौन-सी कहानी अधिक प्रभावी साबित होती है। क्या सुप्रीम कोर्ट एसआईआर पर ऐसा तथ्यात्मक रिकॉर्ड तैयार कर पाएगा जिस पर दोनों पक्ष भरोसा कर सकें? क्या 2027 में उत्तर प्रदेश और पंजाब के चुनावों में हारने वाले दल परिणामों को सहजता से स्वीकार करेंगे? क्या शांतिपूर्ण विरोध फिर से लोकतांत्रिक जीवन की सामान्य गतिविधि बन पाएगा? और क्या दल-बदल, राजनीतिक सभाओं और संवैधानिक नियुक्तियों से जुड़े नियम सत्ता के रंग से परे समान रूप से लागू होंगे? भारत का लोकतंत्र न तो मृत है और न ही निश्चिंत। वह अपने ही नियमों पर एक गहरी बहस के दौर से गुजर रहा है। 2026 की राजनीतिक उथल-पुथल इस बात का संकेत देती है कि अंतिम निर्णायक शक्ति अब भी मतदाता के हाथों में है। लेकिन चुनाव आयोग और अन्य संस्थाओं को लेकर पैदा हुए विवाद याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की सबसे कमज़ोर कड़ी अक्सर मतदान नहीं, बल्कि अंपायरों पर भरोसा होती है। यदि रेफ़री विश्वसनीय साबित हुआ, तो यह दौर भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण के रूप में याद किया जाएगा। यदि नहीं, तो इसे उस मोड़ के रूप में देखा जाएगा जब नियमों की लड़ाई वोटों की लड़ाई से बड़ी हो गई थी। अंततः यह रामलीला मैदान में लगने वाले नारों से कम और आने वाले महीनों में संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले शांत, लेकिन निर्णायक काम से अधिक तय होगा। एक ही हफ़्ते में दिल्ली की सड़कों पर दो मार्च हैं, और नारा लगभग एक जैसा। 28 अक्टूबर को भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने चाँदनी चौक में "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" पदयात्रा निकाली। अब इंडिया गठबंधन 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का "जन-महाभियोग" करने जा रहा है और 1 नवंबर को रामलीला मैदान में उसकी रैली का नारा भी "लोकतंत्र बचाओ" है। जब हर पक्ष ख़ुद को लोकतंत्र का रखवाला बताने लगे, तो समझना चाहिए कि असली संघर्ष सत्ता का नहीं, "लोकतंत्र" शब्द के अर्थ का है। आज भारत की राजनीति को लेकर दो अलग-अलग कहानियाँ सुनाई जा रही हैं। पहली कहती है कि देश धीरे-धीरे "चुनावी तानाशाही" की ओर बढ़ रहा है, जहाँ चुनाव तो होते हैं लेकिन मैदान बराबर नहीं रहता। दूसरी कहानी का दावा है कि भारतीय लोकतंत्र अपनी स्वाभाविक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है, जिसमें पुराने समीकरण टूटते हैं, नई शक्तियाँ उभरती हैं और अंततः व्यवस्था अपनी बहुलता को पुनः स्थापित कर लेती है। दोनों कथाओं के पास अपने-अपने सबूत हैं। इसलिए सवाल यह नहीं कि कौन-सी कहानी पूरी तरह सही है, बल्कि यह कि कौन-सी कहानी भारतीय लोकतंत्र के किस हिस्से को बेहतर समझाती है। यदि चुनावी राजनीति को देखें, तो गिरावट की कहानी को कई असहज तथ्यों से जूझना पड़ता है। 2026 में भाजपा ने पश्चिम बंगाल जीता, जिसे कभी उसकी पहुँच से बाहर माना जाता था। केरल में कांग्रेस-नीत यूडीएफ़ ने 102 सीटों के साथ वाम मोर्चे का दशक पुराना शासन समाप्त कर दिया। तमिलनाडु में एक फ़िल्म स्टार की नई पार्टी ने पहले ही चुनाव में डीएमके और अन्नाद्रमुक की जड़ जमा चुकी द्विध्रुवीय राजनीति को झटका दे दिया। बिहार में भाजपा को पहली बार अपना मुख्यमंत्री मिला। मतदाताओं ने अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग दिशाओं में सत्ता परिवर्तन किया। ऐसी राजनीतिक तरलता किसी जड़ या बंद व्यवस्था में संभव नहीं होती। सिर्फ़ चुनाव ही नहीं, नागरिक दबाव भी असर दिखाता रहा है। नीट-यूजी पेपर लीक के बाद छात्रों ने जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन किया और अंततः जुलाई में शिक्षा मंत्री को इस्तीफ़ा देना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट भी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर, पर चुनाव आयोग की भूमिका को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है। इन घटनाओं से कम-से-कम इतना तो स्पष्ट होता है कि सत्ता के बाहर भी ऐसे केंद्र मौजूद हैं जो सरकारों और संस्थाओं को जवाबदेह बना सकते हैं। लेकिन लोकतंत्र केवल इस बात से नहीं मापा जाता कि चुनाव में कौन जीतता है। उतना ही अहम सवाल यह है कि चुनावों के बीच संस्थाएँ कैसे काम करती हैं। यही वह जगह है जहाँ गिरावट की कहानी अपनी ताक़त हासिल करती है। स्वीडन स्थित वी-डेम संस्थान भारत को "चुनावी तानाशाही" की श्रेणी में रखता है। इस तरह के सूचकांकों की आलोचना की जा सकती है, और अक्सर यह सही भी है कि वे विशेषज्ञों की धारणाओं पर ज़रूरत से अधिक निर्भर रहते हैं। फिर भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया की स्वायत्तता और विपक्ष के लिए उपलब्ध राजनीतिक अवसरों को लेकर उठते सवाल केवल किसी एक रिपोर्ट की उपज नहीं हैं। 2026 की घटनाओं में भी यह बेचैनी दिखाई देती है। अप्रैल में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो गए और सभापति ने कुछ ही दिनों में उनके विलय को मान्यता दे दी। संवैधानिक या कानूनी तर्कों से इतर, इस प्रकरण ने यह भावना पैदा की कि मतदाताओं की राय लिए बिना भी दलों की शक्ति-संतुलन चुनावों के बीच बदला जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के विपक्षी नोटिस को दोनों पीठासीन अधिकारियों द्वारा अस्वीकार किए जाने से विवाद और बढ़ा। विपक्ष यह भी आरोप लगाता रहा है कि जो प्रशासनिक सुविधाएँ और अनुमतियाँ सत्ताधारी दल को सहजता से मिल जाती हैं, वे विपक्ष के लिए कठिन हो जाती हैं। "जन-महाभियोग" कार्यक्रम का खड़गे के आवास पर आयोजित होना इसी विवाद का ताज़ा उदाहरण है। अपने आप में यह शायद कोई बहुत बड़ी घटना न हो, लेकिन यह संकेत ज़रूर देती है कि सार्वजनिक स्थान और संस्थागत निष्पक्षता अब राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ चुके हैं। दरअसल, दोनों कथाएँ एक-दूसरे का खंडन नहीं करतीं। वे लोकतंत्र के अलग-अलग पहलुओं को मापती हैं। उथल-पुथल की कहानी मतपेटी पर केंद्रित है। उसका प्रश्न यह है कि क्या मतदाता अब भी सरकारों को हरा सकते हैं। गिरावट की कहानी मतपेटी के चारों ओर खड़ी संस्थागत मशीनरी को देखती है। उसका प्रश्न यह है कि क्या चुनाव आयोग, प्रशासन, मीडिया और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर सभी पक्षों का भरोसा बना हुआ है। संभव है कि चुनाव प्रतिस्पर्धी बने रहें और साथ ही उन संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर संदेह भी बढ़ता जाए जो उस प्रतिस्पर्धा को संचालित करती हैं। इसीलिए किसी लोकतंत्र की सबसे नाज़ुक संपत्ति मतदाता नहीं, बल्कि रेफ़री पर भरोसा होता है। जब आपकी पसंदीदा टीम जीत रही हो, तब रेफ़री की निष्पक्षता पर सवाल नहीं उठते। संकट तब पैदा होता है जब हारने वाली टीम नतीजे को वैध मानना बंद कर देती है। मौजूदा विवाद में एसआईआर इसी भरोसे की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा बन गया है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची की सफ़ाई के नाम पर पात्र नागरिकों को बाहर किया जा सकता है और मुख्य चुनाव आयुक्त ने निष्पक्षता नहीं बरती। सितंबर में इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों का दावा किया गया था। दूसरी ओर, इस सप्ताह आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि एसआईआर से जुड़े सभी आदेश सर्वसम्मति से पारित हुए थे और असहमति के आरोप केवल एक अख़बारी रिपोर्ट पर आधारित हैं। भाजपा का तर्क है कि मृत, स्थानांतरित या फ़र्ज़ी मतदाताओं के नाम हटाने के लिए सूची का नियमित पुनरीक्षण आवश्यक है। सच यह है कि अभी किसी भी पक्ष के दावे को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। स्वच्छ मतदाता सूची एक वैध लोकतांत्रिक उद्देश्य है और यह सुनिश्चित करना भी उतना ही वैध दायित्व है कि कोई पात्र नागरिक सूची से बाहर न हो। अदालत 17 नवंबर को अगली सुनवाई करेगी। महत्वपूर्ण यह नहीं कि फैसला किसके पक्ष में जाता है, बल्कि यह है कि पूरी प्रक्रिया इतनी पारदर्शी हो कि हारने वाला पक्ष भी उसके निष्कर्षों को स्वीकार कर सके। इसी कसौटी पर राजनीतिक भाषा की भी जाँच होनी चाहिए। विरोध को सहज रूप से "अराजकता" कह देना लोकतांत्रिक असहमति को ही संदेह की निगाह से देखने का जोखिम पैदा करता है। उसी तरह किसी संवैधानिक पदाधिकारी को न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने से पहले "वोट-चोर" घोषित कर देना संस्थाओं में भरोसे को कमजोर करता है, चाहे बाद में आरोप सही साबित हों या नहीं। आने वाले महीनों में कुछ परीक्षाएँ तय करेंगी कि भारतीय लोकतंत्र के बारे में कौन-सी कहानी अधिक प्रभावी साबित होती है। क्या सुप्रीम कोर्ट एसआईआर पर ऐसा तथ्यात्मक रिकॉर्ड तैयार कर पाएगा जिस पर दोनों पक्ष भरोसा कर सकें? क्या 2027 में उत्तर प्रदेश और पंजाब के चुनावों में हारने वाले दल परिणामों को सहजता से स्वीकार करेंगे? क्या शांतिपूर्ण विरोध फिर से लोकतांत्रिक जीवन की सामान्य गतिविधि बन पाएगा? और क्या दल-बदल, राजनीतिक सभाओं और संवैधानिक नियुक्तियों से जुड़े नियम सत्ता के रंग से परे समान रूप से लागू होंगे? भारत का लोकतंत्र न तो मृत है और न ही निश्चिंत। वह अपने ही नियमों पर एक गहर

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में रोहित से ज्यादा शतक लगा सकते हैं विराट : पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में रोहित शर्मा की तुलना में विराट कोहली के शतक लगाने की संभावना अधिक है। उन्होंने इसके पीछे दोनों खिलाड़ियों की बल्लेबाजी की भूमिका और परिस्थितियों को वजह बताया। वहीं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिषेक नायर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो अलग-अलग वनडे टीमों के चयन और यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी राय रखी। दोनों ने ये बातें जियोहॉटस्टार के कार्यक्रम 'आउट ऑर नॉट आउट' में कहीं। जियोहॉटस्टार के कार्यक्रम 'आउट ऑर नॉट आउट' में पुजारा ने कहा कि रोहित शर्मा की भूमिका पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की होती है। न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में उनकी यह भूमिका बदल सकती है और वह शतक लगाने के लिए अधिक समय ले सकते हैं। हालांकि, विराट कोहली के पास शतक बनाने की संभावना थोड़ी ज्यादा है, क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और उनकी भूमिका पारी को संभालने की होती है। उन्होंने कहा, "विराट का खेल पारी को संभालने पर आधारित है। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी के लिए वनडे प्रारूप में शतक बनाना थोड़ा आसान हो जाता है। सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी तय होती है, लेकिन न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में उसमें कुछ बदलाव आ सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ रोहित की तुलना में विराट के शतक लगाने की संभावना अधिक है।" अभिषेक नायर ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज को भारतीय टीम और मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड ने पिछली बार भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज जीती थी, जिससे भारतीय प्रशंसकों को निराशा हुई थी। ऐसे में आगामी टेस्ट सीरीज में भारत को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

नायर ने कहा, "न्यूजीलैंड भारत आया था और उसने टेस्ट सीरीज में हमें हराया था। इससे मुझे भी तकलीफ हुई थी और बाकी प्रशंसकों को भी। यह बड़ी सीरीज है। विश्व कप महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी उसके लिए समय है। मेरे लिए यह टेस्ट सीरीज गौतम गंभीर और भारतीय प्रशंसकों के लिहाज से निर्णायक है।" उन्होंने आगे कहा, "मैं चाहता था कि केएल राहुल और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी, जो दोनों प्रारूपों में खेल रहे हैं, टेस्ट क्रिकेट पर ही ध्यान दें। क्योंकि अब उन्हें पहले वनडे की तैयारी करनी है और उसके बाद टेस्ट मैच खेलने हैं। मेरी राय में उन्हें एक-दो महीने लाल गेंद से अभ्यास करने का समय देना चाहिए था। जिस तरह न्यूजीलैंड ने भारत में हमें हराया, उसी तरह हमें वहां जाकर उसे हराना चाहिए।" यशस्वी जायसवाल को वनडे टीम में शामिल नहीं किए जाने पर नायर ने कहा कि चयनकर्ताओं ने संभवतः उनसे इस बारे में बात की होगी। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और शुभमन गिल के पारी की शुरुआत करने के कारण जायसवाल को वनडे टीम में मौका नहीं मिला होगा। ऐसे में उन्हें टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलना चाहिए। नायर के अनुसार, जायसवाल को यह समझाया गया होगा कि वनडे टीम में जगह नहीं मिलने के दौरान वह रणजी ट्रॉफी खेलकर अपनी तैयारी बेहतर कर सकते हैं।

न्यूज़ीलैंड ए को पहली पारी में मिली 78 रन की बढ़त, मुकेश कुमार ने झटके पांच विकेट

एजेंसी, क्राइस्टचर्च



तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सिराज ने चार विकेट झटके। इसके बावजूद न्यूजीलैंड ए के निचले क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान की बदौलत मेजबान टीम पहली पारी में 424 रन बनाने में सफल रही और भारत ए पर 78 रन की बढ़त हासिल कर ली। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 32 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन क्रीज पर मौजूद थे। भारत ए अभी भी न्यूजीलैंड ए से 46 रन पीछे है। तीसरे दिन न्यूजीलैंड ए ने तीन विकेट पर 218 रन से आगे खेलना शुरू किया। पिछले दिन शतक लगाने वाले मैथ्यू बॉयल जल्दी आउट हो गए। इसके बाद डीन फॉक्सक्रॉफ्ट और मिचेल हे ने भारतीय गेंदबाजों को लंबे समय तक सफलता से दूर रखा। दोनों ने एक घंटे से अधिक समय तक मोर्चा संभाले रखा। सिराज ने फॉक्सक्रॉफ्ट को 93 रन के निजी स्कोर पर पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। यह दिन का उनका दूसरा विकेट था। अगले ओवर में मिचेल हे विकेट के पीछे कैच दे बैठे, जबकि इसके कुछ ही देर बाद ब्रेट रैंडेल भी आउट हो गए। लगातार विकेट गिरने से भारत ए ने मुकाबले में वापसी की और न्यूजीलैंड ए का स्कोर सात विकेट पर 291 रन हो गया। हालांकि, इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को जमकर चुनौती दी। न्यूजीलैंड ए के आखिरी तीन विकेटों ने 133 रन जोड़कर टीम का स्कोर 424 रन तक पहुंचा दिया। फ्रेजर शीट ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 40 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। दसवें नंबर के बल्लेबाज जेडन लेनॉक्स और अंतिम बल्लेबाज जारोड मैके ने करीब 25 ओवर तक भारतीय गेंदबाजों का सामना किया। इस साझेदारी को दूसरे ओवर में ही तोड़ने का मौका मिला था, लेकिन सिराज ने 12 रन पर खेल रहे लेनॉक्स का आसान कैच छोड़ दिया। भारतीय स्पिनरों को भी लगातार 45 ओवर की गेंदबाजी के बाद सफलता मिली। वाशिंगटन सुंदर ने अपनी पारी के 30वें ओवर में मैके को बोल्ड कर न्यूजीलैंड ए की पारी समेट दी। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरे यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन ने दिन का बाकी खेल बिना किसी परेशानी के निकाल दिया। दोनों ने भारत ए का स्कोर बिना विकेट खोए 32 रन तक पहुंचाया।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों से उबर रहे हैं, लेकिन चार नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होने वाली वनडे सीरीज तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चैपमैन को यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हाल ही में कराई गई एमआरआई जांच के बाद उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए दो सप्ताह और पुनर्वास की जरूरत है। वहीं, रचिन रवींद्र एक प्रचार कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान हुए हादसे में दाएं कंधे की हड्डी खिसकने के कारण चोटिल हो गए थे। उन्हें भी मैदान पर पूरी क्षमता से उतरने के लिए अभी और समय चाहिए। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि चैपमैन और रचिन टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। चैपमैन चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि रचिन का कंधा अभी सफेद गेंद के क्रिकेट में आराम से क्षेत्ररक्षण करने की स्थिति में नहीं पहुंचा है। इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी होनी है, इसलिए टीम उनके मामले में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले ही सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट अंतिम दो मुकाबलों के लिए टीम से जुड़ेंगे। तेज गेंदबाज मैट फिशर को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है।

अफगानिस्तान ने अब तक की सर्वोच्च आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग हासिल की

एजेंसी, दुबई



अफगानिस्तान ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय टीम रैंकिंग में श्रीलंका को पीछे छोड़ते हुए छठा स्थान हासिल कर लिया है। यह एकदिवसीय रैंकिंग में अफगानिस्तान की अब तक की सर्वश्रेष्ठ स्थिति है। अफगानिस्तान ने 2009 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से लगातार प्रगति की है।

टीम ने 2023 में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसके बाद 2024 में पहली बार आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अफगानिस्तान ने अब तक 191 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 96 में जीत दर्ज की है। इस प्रारूप में उसका जीत-हार अनुपात 1.09 है। अफगानिस्तान पहले ही बांग्लादेश, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी अनुभवी टीमों से आगे था। अब श्रीलंका को पीछे छोड़कर उसने रैंकिंग में छठा स्थान हासिल कर लिया है। टीम की हालिया सफलताओं में आयरलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर चार मैचों की श्रृंखला में 4-0 से जीत और जिम्बाब्वे तथा बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में अपराजित रहना शामिल है।

अफगानिस्तान ने हाल ही में टी-20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में भी जिम्बाब्वे का सूपड़ा साफ किया है। अब टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए तैयार है।

बिजनेस

भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

- राजेश अग्रवाल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय आयोग के अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने ब्रुसेल्स में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने और बाजार पहुंच बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की है। इस समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर होने हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय (डीजी ट्रेड) की महानिदेशक डिट्टे जुल जॉर्गनस, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी महानिदेशालय के कोएन डोएन्स और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय के गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की। इन बैठकों में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने कारोबारियों को समर्थन देने, लेन-देन की लागत को कम करने और वैध व्यापार की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने में कुशल, पारदर्शी एवं डिजिटल रूप से सक्षम सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के महत्व को स्वीकार किया। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को इस समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इससे चमड़ा, कपड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके सचिव ने हीरा उद्योग के हितधारकों से मुलाकात की। इनमें एंटवर्प के हीरा कारोबार से जुड़े प्रतिनिधि भी शामिल थे।

एंटवर्प (बेल्जियम) को दुनिया की 'हीरा राजधानी' कहा जाता है। वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला, प्रमाणन एवं पता लगाने संबंधी आवश्यकताओं, जिम्मेदारी से हीरों की खरीद तथा भारत के बढ़ते हीरा बाजार और विनिर्माण क्षेत्र से पैदा होने वाले अवसरों पर चर्चाएं की गईं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत और बेल्जियम ने रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचाना है। एंटवर्प, मुंबई और सूरत को हीरे के प्रमुख केंद्रों के रूप में मान्यता दी गई है।

हवाई अड्डों के शुल्क और कर कम होने से भारतीय बाजार में विमानन क्षेत्र के विस्तार को बढ़ावा मिलेगा : विली वॉल्श

एजेंसी, नई दिल्ली । इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श ने सोमवार को कहा कि भारत में एयरपोर्ट शुल्क बहुत अधिक हैं, इन्हें कम करने के साथ-साथ करों में कटौती से विमानन क्षेत्र को विस्तार का मौका मिलेगा। वॉल्श ने कहा कि सभी संबंधित पक्षों को अपनी लागत पर भी ध्यान देने की जरूरत है, ताकि विमानन क्षेत्र को आगे बढ़ने के ज्यादा मौके मिल सकें। नई दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि भारत में विमानन क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों को अपनी लागत कम करने पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस कंपनियां एयरपोर्ट से बेहतर सुविधाएं और कम कीमत पर सेवाएं देने की उम्मीद करती हैं। उन्होंने कहा कि विमानन क्षेत्र में कई एयरपोर्ट का प्रभावी रूप से एकाधिकार है, ऐसे में उनकी कीमतों पर ध्यान देना जरूरी है। अगस्त में सीईओ का पदभार संभालने के बाद वॉल्श ने पहली बार प्रत्यक्ष रूप से अपनी बात रखी और कहा कि विमानन कंपनी को 2028 की दूसरी तिमाही से चौड़े आकार वाले ए350 विमान मिलने शुरू होने की उम्मीद है।

निसान मोटर इंडिया ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में कुल 3,600 वाहनों की थोक बिक्री दर्ज की

एजेंसी, नई दिल्ली



वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने अक्टूबर माह में घरेलू बाजार में कुल 3,600 वाहनों की थोक बिक्री दर्ज की है, जो पिछले साल इसी अवधि में बिकीं 2,402 इकाई के मुकाबले 50 फीसदी की वृद्धि है। निसान के लिए यह लगातार आठवां महीना रहा, जब कंपनी की घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। निसान मोटर इंडिया ने सोमवार को अपनी अक्टूबर की बिक्री रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि जनवरी से अक्टूबर के बीच निसान ने घरेलू और विदेशी बाजारों को मिलाकर कुल 85,124 गाड़ियों की थोक बिक्री की है। कंपनी ने बताया कि घरेलू होलसेल बिक्री में सालाना आधार पर 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने बताया कि यह प्रदर्शन निसान के लगातार बढ़ते पोर्टफोलियो को प्रति ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को दिखाता है। इसके पोर्टफोलियो में नई निसान टेक्टॉन, मैग्नाइट और ग्रेवाइट है। साथ ही बढ़ते डीलर नेटवर्क से भी कंपनी के शानदार प्रदर्शन में योगदान मिला है। कंपनी व्यापक प्रोडक्ट ऑफरिंग, ग्राहकों तक ज्यादा पहुंच और उन्हें शानदार अनुभव देते हुए भारत में लगातार विकास करने पर फोकस कर रही है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि अक्टूबर में घरेलू बाजार में सालाना आधार पर 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज करना निसान ब्रांड में ग्राहकों के लगातार बढ़ते भरोसे और भारत में हमारी प्रगति को दिखाने वाली है। उन्होंने कहा कि जनवरी से अक्टूबर के बीच घरेलू एवं निर्यात बाजारों में 85,124 यूनिट्स की बिक्री के साथ हम लगातार अपने पोर्टफोलियो और डीलर नेटवर्क को मजबूत बना रहे हैं। सौरभ वत्स ने कहा कि धनतेरस और दीवाली आने वाली है और हम अपने खास प्रोडक्ट्स एवं बेहतरीन अनुभव के साथ अपने ग्राहकों को सर्विस देने पर फोकस करते रहेंगे। निशान सीईओ ने कहा कि अक्टूबर में निसान ने 4,710 यूनिट्स का निर्यात किया। कंपनी लगातार भारत में निर्माण करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों को सर्विस दे रही है। अपनी 'वन कार, वन वर्ल्ड' की रणनीति के तहत निसान भारत एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों को ऐसे प्रोडक्ट्स उपलब्ध करा रही है, जिन्हें गुणवत्ता के वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह निसान के वैश्विक परिचालन में भारत की भूमिका को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि निसान के एसयूवी डीएनए पर डिजाइन की गई नई निसान टेक्टॉन में जापान की रिफाइंड क्राफ्टमैनशिप, इंटेलीजेंट टेक्नोलॉजी, कमांडिंग परफॉर्मेंस और हर दिन की व्यावहारिकता को साथ लाया गया है। मैग्नाइट एवं ग्रेवाइट के साथ-साथ टेक्टॉन भी सतत विकास की निसान की रणनीति में अहम भूमिका निभा रही है और भारतीय ऑटोमोटिव मार्केट के प्रमुख सेगमेंट्स में कंपनी की स्थिति को मजबूती दे रही है।

स्टॉक मार्केट में ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स की सांकेतिक बढ़त के साथ एंट्री, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली



रियल एसेट्स और प्राइवेट क्रेडिट मार्केट्स पर केंद्रित अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में फंड मैनेज करने और वैश्विक व घरेलू संस्थागत निवेशकों, एचएनआई और फैमिली ऑफिसों को इनवेस्टमेंट सॉल्यूशन देने वाली कंपनी ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स लिमिटेड के शेयर आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 1,665 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 0.487 प्रतिशत के सांकेतिक प्रीमियम के साथ 1,673 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 0.63 प्रतिशत के मामूली प्रीमियम के साथ 1,675.50 रुपये के स्तर पर हुई। लगभग सपाट स्तर पर हुई लिस्टिंग के बाद इस शेयर की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में ये शेयर गिर कर 1,601 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। वहीं बाद में लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 1,762.50 रुपये के स्तर तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 1,731.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 66.20 रुपये यानी 3.98 प्रतिशत का फायदा हो गया है।

कंपनी का 1,200 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 28 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.51 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 13.80 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट, सोना और चांदी की कीमत में मामूली कमी

एजेंसी, नई दिल्ली । सप्ताह के पहले दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,38,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला वेदांत पॉली फैब्स का आईपीओ, 9 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली



फ्लैक्सिबल पैकेजिंग मैटेरियल्स का निर्माण करने और कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री को 3-लेयर तथा 5-लेयर एलडी फिल्म्स, श्रिंक फिल्म्स, बैरियर फिल्म्स, प्रिंटेड लैमिनेट्स सहित मिल्क एवं ऑयल पाउच की आपूर्ति करने वाली कंपनी वेदांत पॉली फैब्स लिमिटेड का 56.68 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। कंपनी मुख्य रूप से बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मॉडल पर काम करती है। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 11:30 बजे तक इस आईपीओ को 18 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 4 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 5 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 6 नवंबर को अलॉटेड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 9 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 88 से लेकर 94 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,25,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 60.30 लाख शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस इश्यू के तहत 51.01 करोड़ रुपये मूल्य के 54.26 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि प्रमोटर सेथसावरिया पॉली फैब एलएलपी द्वारा 5.67 करोड़ रुपये मूल्य के 6.04 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की जा रही है।

भरोसा ही मेरा घमंड, जब वो टूट गया नाः ईठा का धांसू ट्रेलर रिलीज

आखिर किसने तोड़ा विठाबाई नारायणगांवकर का विश्वास



स्त्री फ्रैंचाइजी के बाद श्रद्धा कपूर लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी ईठा में नजर आने वाली हैं. मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें श्रद्धा कपूर मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के किरदार में नजर आ रही हैं. दर्शकों की भारी भीड़ के सामने शानदार प्रदर्शन से लेकर दिल टूटने और निजी दुखों के पलों तक, यह ट्रेलर एक ऐसी कलाकार के जीवन के कई पहलुओं को दिखाता है, जिसकी पूरी जिंदगी उसकी कला के इर्द-गिर्द ही घूमती थी. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ईठा का ट्रेलर अपलोड किया और फैंस को बताया, पर्दा उठ चुका है, तमाशा सज चुका है. ट्रेलर रिलीज हो गया है. ट्रेलर की शुरुआत श्रद्धा से होती है, जो पारंपरिक लावणी ड्रेस पहने मंच पर प्रस्तुति दे रही हैं और बड़ी संख्या में लोग उन्हें देख रहे हैं. इसमें दर्शकों के हाथों में रोशनी, भव्य मंच और लोक संगीत की धुन पर नाचतीं एक्ट्रेस के सीन दिखाई देते हैं. प्रसिद्धि की झलक दिखाने के बाद ट्रेलर में ईठा की जिदंगी का वो सीन दिखाया जाता है,

जहां वह पूरी तरह से टूट गई होती हैं. एक सीन में श्रद्धा का किरदार कहता है, तुम्हीं ने कहा था ना, देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड? मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे, जब वो टूट गया ना सब टूट गया.डायलॉग से पता चलता है कि टूटे भरोसे ने उसे चकनाचूर कर दिया है. ट्रेलर में एक तरफ एक मशहूर कलाकार के रूप में उनकी सार्वजनिक छवि दिखाई गई है, तो दूसरी तरफ मंच से दूर उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. फिर उनके साथी एक बार फिर से खुद पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि वो एक बार फिर जिंदगी में उठ खड़ी हो. वे प्रेरित ईठा को प्रेरित करते हैं कि उनसे नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती है. इसके बाद एक बहुत ही दमदार सीन आता है, जिसमें उन्हें उनके ही कहे शब्द याद दिलाए जाते हैं, पड़े-पड़े मरी को बेचारी कहलाऊंगी, पर नाचते हुए मरी तो मिशाल बन जाऊंगी. ट्रेलर में विठाबाई के परिवार और निजी रिश्तों की झलक भी देखने को मिलती है. रणदीप हुड्डा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी कुछ पलों के लिए नजर आते हैं. एक सीन में, एक उद्घोषक उनका परिचय देते हुए कहता है, महाराष्ट्र की शान, लावणी का अभिमान, विठाबाई. इसके बाद श्रद्धा मंच के बीचों-बीच आती हैं और नर्तकों के एक समूह के साथ प्रदर्शन करती हैं, जबकि दर्शक उनका उत्साह बढ़ाते हैं. मशहूर डायरेक्टर लक्ष्मण उटेकर ने ईठा को डायरेक्ट किया है. मैडॉक फिल्म्स और कठपुतली क्रिएशन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान, लक्ष्मण उटेकर और करिश्मा शर्मा हैं. अजय-अतुल ने फिल्म का म्यूजिक बनाया है. श्रद्धा कपूर ने विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर का रोल किया है, जो मशहूर मराठी तमाशा और लावणी आर्टिस्ट थीं, जिनकी जिंदगी से यह फिल्म इंस्पायर्ड है. कास्ट में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह, उल्का गुप्ता और स्वर्गीय नाना पाटेकर भी हैं. यह फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.



फिल्म 'इट्लू अर्जुन से अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे अनीश, 13 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

'इट्लू अर्जुन' से तेलुगु सिनेमा में रखेंगे कदम; नागार्जुन करेंगे प्रस्तुत

द दक्षिण भारतीय सिनेमा में नए चेहरों और अनूठी कहानियों का दौर लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में तेलुगु फिल्म उद्योग में एक और नया चेहरा अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। युवा और प्रतिभाशाली नए कलाकार अनीश आगामी तेलुगु फिल्म 'इट्लू अर्जुन' के जरिए अभिनय की दुनिया में अपना पहला कदम रखने जा रहे हैं। अपनी पहली ही फिल्म में एक बेहद चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील किरदार निभाकर अनीश दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का एक नया और आकर्षक पोस्टर जारी किया है, जिसके साथ ही इसकी आधिकारिक रिलीज़ डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। 'इट्लू अर्जुन' आगामी 13 नवंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। नया पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रशंसकों और सिनेमा प्रेमियों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है। पोस्टर में फिल्म का मिजाज और कहानी की गहराई झलकती नजर आ रही है। फिल्म 'इट्लू अर्जुन' की सबसे बड़ी खासियत इसका मुख्य किरदार है। डेब्यू करने जा रहे अनीश इस फिल्म में एक ऐसे युवक की भूमिका में नजर आएंगे, जो जन्म से न तो बोल सकता है और न ही सुन सकता है। एक नवागंतुक कलाकार के लिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत में ही बिना संवादों के, केवल अपनी शारीरिक भाषा, आंखों के भावों और चेहरे के अभिनय के जरिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करना एक बेहद कठिन परीक्षा माना जा रहा है। अनीश इस मूक-बधिर किरदार के माध्यम से अपनी अभिनय क्षमता और संवेदनशीलता का लोहा मनवाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म में लोकप्रिय युवा अभिनेत्री अनस्वरा राजन मुख्य महिला किरदार में दिखाई देंगी। अनस्वरा का अभिनय पहले भी दर्शकों द्वारा काफी सराहा जा चुका है और अनीश के साथ उनकी जोड़ी पर्दे पर एक नया रंग जमाएगी। इस भावुक और अनूठी कहानी का निर्देशन महेश उप्पाला कर रहे हैं, जो अपनी कसावट भरी पटकथा और बेहतरीन निर्देशन शैली के लिए जाने जाते हैं। फिल्म 'इट्लू अर्जुन' को लेकर टॉलीवुड में काफी चर्चा है और इसका एक बड़ा कारण फिल्म से जुड़े दिग्गज नाम हैं। इस प्रोजेक्ट को तेलुगु सिनेमा के जाने-माने अभिनेता और सुपरस्टार नागार्जुन प्रस्तुत कर रहे हैं। नागार्जुन का इस फिल्म से जुड़ना ही यह साबित करता है कि फिल्म की कहानी में गहराई और मनोरंजन का शानदार संतुलन है। इसके अलावा, फिल्म का निर्माण जाने-माने फिल्म निर्माता वेंकी कुडुमुला अपने प्रतिष्ठित निर्माण संस्थान 'व्हाट नेक्स्ट एंटरटेनमेंट्स' के बैनर तले कर रहे हैं।



दर्शकों में बढ़ी उम्मीदें

एक तरफ नए कलाकार अनीश का चुनौतीपूर्ण डेब्यू, दूसरी तरफ अनस्वरा राजन की मौजूदगी, और ऊपर से नागार्जुन व वेंकी कुडुमुला जैसी अनुभवी और प्रतिष्ठित हस्तियों का जुड़ाव—इन सभी वजहों से 'इट्लू अर्जुन' वर्ष 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल हो गई है। 13 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही यह फिल्म न केवल अनीश के अभिनय करियर का फैसला करेगी, बल्कि दर्शकों को एक भावनात्मक और मनोरंजक सिनेमाई अनुभव भी प्रदान करेगी।

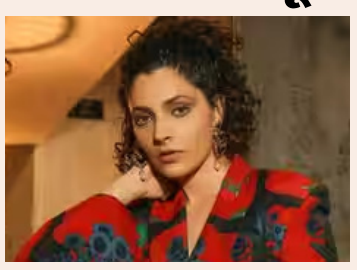
'जेलर 2 की कमाई में 17वें दिन 70 प्रतिशत का उछाल, दुनियाभर में 800 करोड़ रुपये से बस थोड़ी दूर

सु सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने प्रदर्शन के 17वें दिन कमाई में जोरदार वापसी करते हुए पिछले दिन की तुलना में करीब 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इस दिन फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 9.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही देश में इसकी कुल कमाई बढ़कर 444.75 करोड़ रुपये हो गई है। दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। अब तक यह 790.85 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। इस तरह फिल्म 800 करोड़ रुपये के आंकड़े से महज कुछ कदम दूर रह गई है। आने वाले दिनों में इसके इस आंकड़े को पार करने की उम्मीद जताई जा रही है। फिल्म के 17वें दिन तमिल भाषा वाले संस्करण को सबसे अधिक दर्शक मिले। हालांकि हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ संस्करणों को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस दिन देशभर में फिल्म के करीब सात लाख टिकटों की बिक्री हुई। घरेलू कमाई में तमिलनाडु का योगदान सबसे अधिक रहा है। 'जेलर 2 को विदेशी बाजारों में भी दर्शकों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। फिल्म विदेशों में अब तक 270 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर चुकी है। घरेलू और विदेशी बाजारों से लगातार हो रही कमाई ने फिल्म को वैश्विक स्तर पर 800 करोड़ रुपये के करीब पहुंचा दिया है। रजनीकांत की लोकप्रियता और फिल्म को मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया के चलते 'जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि फिल्म कितनी जल्दी 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करती है।



इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से सैयामी का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में डेब्यू

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करेंगी। बॉलीवुड की प्रतिभावान अभिनेत्री सैयामी खेर अपने अभिनय के दायरे को बढ़ाते हुए अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर कदम रखने जा रही हैं। सैयामी का मानना है कि सीमाओं से परे जाकर और अलग-अलग संस्कृतियों के साथ मिलकर काम करने से किसी भी कलाकार को कहानी कहने का एक बेहद अनूठा और व्यापक नजरिया हासिल होता है। इस प्रोजेक्ट को अपने करियर का एक नया और यादगार अध्याय बताते हुए सैयामी ने कहा कि एक बिल्कुल विदेशी क्रू के साथ काम करना उनके लिए एक बेहद रोमांचक और सीख देने वाला अनुभव रहा। इस फिल्म की शूटिंग रूस की ऐतिहासिक राजधानी मॉस्को में की गई है। सैयामी ने बताया कि यह पहला मौका था जब वे रूस गई थीं और वहां काम करने का माहौल भारतीय फिल्म सेटों से काफी अलग था। मॉस्को के खूबसूरत स्थानों और वहां की कार्य संस्कृति की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे प्रोजेक्ट के दौरान उन्हें एक नया दृष्टिकोण सीखने को मिला। सैयामी को उम्मीद है कि वैश्विक सिनेमा का यह अनुभव उनके आने वाले करियर में बेहद काम आएगा और वे भविष्य में भी ऐसे अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा कि जब आप भाषा की दीवारों को लांघकर कला के माध्यम से जुड़ते हैं, तो आपको यह समझ आता है कि सिनेमा की अपनी एक सार्वभौमिक भाषा होती है जो दुनिया के हर हिस्से के लोगों को एक साथ ला सकती है। यद्यपि फिल्म की कहानी और कथानक से जुड़ी विस्तृत विवरणों को अभी गुप्त रखा गया है, लेकिन सैयामी ने संकेत दिया है कि यह एक बेहद मजबूत और भावनात्मक ड्रामा फिल्म है जिसके केंद्र में एक सशक्त महिला का किरदार है।



सृष्टि सिंह का तमिल डेब्यू, बोलीं- दर्शना सिर्फ मां नहीं, एक इंडिपेंडेंट महिला हैं

अ अभिनेत्री सृष्टि सिंह आगामी तमिल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म जॉन डो से तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री दर्शना नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। सृष्टि ने बताया कि दर्शना का किरदार उन्हें इतना पसंद आया कि वह खुद को इस फिल्म को करने से रोक नहीं पाईं। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर वह खुद से अलग तरह का किरदार निभाना चाहती थीं और दर्शना का किरदार उनके लिए कुछ वैसा ही था। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी और दर्शना को समझा, तो जाना कि वह असल जिंदगी में मुझसे बिल्कुल अलग है और यही बात मुझे सबसे पहले इस रोल की तरफ खींच लाई। एक एक्टर के तौर पर आप अलग-अलग किरदार निभाना चाहते हैं, खासकर ऐसे किरदार जो आपकी अपनी जिंदगी और हकीकत से बिल्कुल अलग हों। उन्होंने आगे कहा, यह किरदार मुझे इतना पसंद आया कि इसे निभाने की मेरी उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई। हालांकि, मेरे साथ पहले ऐसा कभी हुआ नहीं है। मुझे पता था कि दर्शना को समझने, उसके अनुभवों को अपनाने और इस किरदार को अपना बनाने के लिए मुझे एक पूरी प्रोसेस से गुजरना होगा, जो मेरे लिए काफी एक्साइटिंग रही। अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा, हमारी इंडस्ट्री में कई बार एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से एक ही तरह के रोल में डाल दिया जाता है, लेकिन दर्शना एक ऐसी मां है, जिसने अपने जीवन में बहुत कुछ झेला है और अपने परिवार, पति और बच्चों से जुड़ी कई चुनौतियों से जूझ रही है। उसकी अपनी परेशानियां और अपने तजुर्बे हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि वह उनसे कैसे बाहर निकलती है। मेरे लिए दर्शना एक इंडिपेंडेंट महिला थी, जिसकी अपनी एक जर्नी है। मैंने उसे सिर्फ एक मां के नजरिए से नहीं, बल्कि इसी नजरिए से समझने की कोशिश की। दर्शना एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है (जितना कोई सोच भी नहीं सकता), लेकिन इन सब दुखों के बावजूद वह अपने परिवार के लिए एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी रहती है। मधुमिता द्वारा निर्देशित फिल्म में सृष्टि सिंह के अलावा, जारा विनीत चंदोके और नीरव जैसे कलाकार भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।



अचानक से बदलने लगा मौसम का मिजाज?

मौ मौसम कभी भी अपना मिजाज बदल सकता है, खासकर अक्टूबर के महीने में, जब बारिश हो रही है और गर्मी-सर्दी पड़ रही है। इस दौरान अचानक से बारिश और ठंड बढ़ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में खुद को इन बदलावों के लिए तैयार रखना जरूरी है। आइए आज हम आपको इसके लिए 5 आसान तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप खुद को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। अचानक से हो रही बारिश और ठंड से बचने के लिए सही कपड़े पहनना सबसे जरूरी है। हल्के और पानी से बचाने वाले कपड़े चुनें, जैसे कि बरसाती या जैकेट। इसके अलावा ऊनी शॉल या स्कार्फ भी पहन सकते हैं, जो आपको गर्म रखेगा। सूती कपड़े भी अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोखते हैं। इसके साथ ही मोजे और टोपी भी पहनें, ताकि शरीर का तापमान संतुलित रहे। जब मौसम खराब हो तो घर से बाहर निकलते समय छाता या बारिश से बचाने वाला रेनकोट साथ रखें। इससे आप बारिश से बच सकेंगे और गीले होने से बचेंगे। अगर आप कहीं लंबी यात्रा कर रहे हैं तो बारिश से बचाने वाला बैग ज्यादा सुविधाजनक हो सकता है, क्योंकि इसे ले जाना आसान होता है और इसमें आपके सभी सामान भी सुरक्षित रह सकते हैं। छाते आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं। बारिश के मौसम में ठंड अधिक रहती है, इसलिए खुद को गर्म रखने के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसके लिए पानी पीते रहें, विटामिन-ष्ट वाले फलों का सेवन करें और नियमित रूप से हाथ धोएं। इसके अलावा ताजे फलों और सब्जियों का सेवन करें।





मौसम की जांच करें

आधुनिक तकनीक की मदद से मौसम की जानकारी पाना बहुत आसान हो गया है। अपने फोन पर मौसम की जानकारी देने वाले ऐप्स डाउनलोड करें या टीवी/रेडियो पर मौसम की खबरें सुनें। इससे आपको पता रहेगा कि कब बारिश होनी है और कब नहीं, जिससे आप खुद को बेहतर तरीके से तैयार कर सकेंगे। इस तरह आप इन 5 तरीकों से बदलते मौसम से निपट सकते हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।



अगर आप बीमार महसूस कर रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और खुद को आराम दें। ठंड से बचने के लिए गर्म पानी से नहाएं। अगर मौसम बिगड़ रहा हो और बाहर जाना जरूरी न हो तो घर पर रहना ही बेहतर है। इससे आप बारिश और ठंड से सुरक्षित रहेंगे। घर पर रहकर आप अपने काम भी आसानी से कर सकते हैं। इसके अलावा घर पर रहकर आप अपने परिवार संग समय बिता सकते हैं और उनके साथ सुरक्षित महसूस कर सकते हैं। घर पर रहकर आप अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकते हैं और बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

BRIFF NEWS

Uttarakhand helicopter crash reiterates concerns raised by Parliamentary panel



New Delhi, Agency: Yet another crash of a chopper ferrying pilgrims on the Char Dham route has brought into focus safety flags raised by a parliamentary panel overseeing aviation sector that have gone unheeded despite recurring tragedies.

From "responsibility vacuum" which dilutes accountability to "pressure culture" that allows commercial considerations to override no-go weather conditions, the committee has in its recent reports, including one in March, highlighted several worrying factors at play in the helicopter services being offered to Char Dham pilgrims. "The situation with helicopter operations in Char Dham sector is a symptom of a larger and dangerous structural flaw in India's aviation governance: a fractured and ambiguous regulatory command structure," the parliamentary panel on transport, tourism and culture headed by JDU MP Sanjay Jha had said.

It said DGCA has ceded direct oversight of one of the country's most hazardous aviation zones to a state-level body, Uttarakhand Civil Aviation Development Authority, whose capacity and expertise are under the scanner. This two-tiered safety system, with differing levels of scrutiny, is inherently unsafe and unsustainable, it added.

Can high blood sugar help immune cells fight cancer? Study offers new clues



New Delhi, Agency: Could the same high blood sugar that damages the body also make some immune cells better at fighting cancer? New research offers a surprising clue, finding that high blood sugar enhances the tumour-fighting ability of immune cells in mice, potentially opening a new avenue for cancer treatment. Published in The Journal of Immunology, the study examined why people with type 1 diabetes have been found to have a lower risk of certain cancers, including melanoma, breast and colon cancer. Researchers found that the answer may lie in how high blood sugar changes T cells, immune cells that help the body recognise and attack cancer cells.

In experiments, tumours grew more slowly in mice with high blood sugar than in mice with normal blood sugar and diabetic mice whose blood sugar was controlled with insulin. The hyperglycaemic mice also had more T cells, which were more effective at controlling tumour growth.

The researchers found that high blood sugar altered a cellular signalling pathway in these immune cells, helping enhance their cancer-fighting activity. When diabetic mice received insulin, their T cells lost this heightened ability, pointing to a possible link between blood sugar levels and immune-cell function.

ECL Marks 52nd Foundation Day with Digital Transfer Portal Launch



Asansol: Eastern Coalfields Limited (ECL) celebrated the 52nd Foundation Day of Coal India Limited and ECL on Sunday with a focus on digital transformation, employee welfare, workplace safety and operational excellence. The occasion featured the launch of an online transfer portal for non-executive employees, alongside national-level awards recognising the company's performance and safety initiatives.

The celebrations were held at ECL headquarters in Sanctoria, with Director (Human Resources) Gunjan Kumar Sinha attending as Chief Guest and Director (Technical–Operations) Chitranjan Kumar as Guest of Honour. Senior officials, employees and trade union representatives also participated.

The programme began with flag hoisting and floral tributes at the martyrs' memorial to honour coal miners who sacrificed their lives. Saplings were presented to dignitaries as a symbol of environmental responsibility. Cultural performances and announcements of promotions across various disciplines added to the celebrations. A key highlight was the launch of 'ECL Swavalamban (Non-Ex)', a digital self-service transfer portal inaugurated by Sinha at Sankalp Hall in the presence of employee and safety committee representatives and senior officials.

The portal replaces the conventional paper-based transfer process with an online system that allows non-executive employees to submit and track applications. It incorporates OTP-based authentication, simultaneous processing by the incoming and outgoing Area General Managers, and automated timelines. Applications are designed to reach headquarters for final approval within a maximum of 50 days. The system also supports secure, bilingual and digitally traceable transfer orders.

Sinha described the initiative as a step towards employee empowerment, highlighting the need for transparent administration, simplified procedures and timely service delivery.

ECL also received national recognition at Coal India's Foundation Day celebrations in Kolkata, winning the Safety Award and Corporate Performance Award. Chairman-cum-Managing Director Dr Satish Jha received the honours alongside Director (Technical/Projects and Planning) Girish Gopinathan Nair, General Manager (Safety) Ashok Kumar and Technical Secretary to CMD Partha Sakha De.

Several employees were recognised for their contributions. Jhanjra Area General Manager Prabir Kumar Mandal received the Best Area GM award, while Partha Sakha De was named Best Head of Department for his work as HoD (Land Revenue and Estate). ECL Headquarters General Manager (Electrical and Mechanical) Mrityunjay Kumar received the Individual Excellence honour.

Frontline employees were also recognised. Durgawati Rajbhar, Shovel Operator in Kajora Area, received the Best Female Operator (HEMM) award, while Priti Shaw, Winding Engine Operator in Satgram-Sripur Area, was honoured as Best Female Operator (Non-HEMM). Operating in the historic Raniganj Coalfield, where commercial coal mining in India began in 1774, ECL continues to play a significant role in the country's energy sector. The celebrations highlighted the company's efforts to combine its mining legacy with digital governance, employee welfare, safety and sustainable development.

'Water ingress' incident on Navy vessel, no casualties reported



New Delhi, Agency: The Indian Navy on Saturday confirmed an incident of "water ingress" (flooding) on one of its ships while the vessel was berthed at the Naval Dockyard in Visakhapatnam. The incident was reported on INS Kesari, a Shardul-class tank landing ship.

The Navy, in an official statement, said that "no casualties have been reported". Efforts to pump out the water are underway, it added.

INS Kesari, which was commissioned on April 5, 2008, has a 5,650-tonne displacement.

Deployed in May 2020 for Mission Sagar, INS Kesari had delivered Covid-19 relief material, medical assistance and food items to nations in the southern Indian Ocean, such as Maldives, Mauritius, Madagascar, Comoros and Seychelles.

Tightening the Noose: Motihari SP Swarn Prabhat's Iron-Fist Crackdown Targets 90 Crime Lords Under CCA-3

Sagar Suraj



MOTIHARI: Reinforcing its commitment to maintaining law and order and dismantling organised crime networks, the district police have stepped up action against habitual offenders. Motihari Superintendent of Police (SP) Swarn Prabhat has sent proposals to invoke Section 3 of the Bihar Control of Crimes Act (CCA-3) against 90 alleged criminals involved in serious offences across different police station jurisdictions. The move is aimed at tightening the noose around habitual offenders and curbing criminal activities in the district. Among those named in the list, Dewa Gupta has emerged as a prominent figure, drawing considerable attention in Motihari's political circles. His inclusion has triggered political debate, with some local political groups alleging that the proposed action could be motivated by political considerations and aimed at restricting his growing political influence and public presence. However, supporters of the police action maintain that the law should apply equally to everyone, irrespective of political affiliations, and that preventive measures are necessary to curb criminal influence. Meanwhile, the administration has clarified that the CCA has not yet been formally imposed on the 90 individuals. The legal process has only been initiated following proposals submitted by the police. District Magistrate (DM) Suman Saurabh Yadav has reportedly issued notices to Dewa Gupta and the other individuals named in the proposals, seeking their responses within 15 days. After receiving their replies, the DM will conduct hearings and examine the cases before taking a final decision on whether to impose restrictions under the Act. Notably, section 3 of the Bihar Control of Crimes Act provides for preventive action against individuals considered habitual offenders or anti-social elements whose activities are believed to threaten public order and safety. Depending on the circumstances and legal requirements, the provisions can be used to restrict the movement of such individuals, including through externment orders. The proposed action against 90 individuals marks a significant step in the district police's campaign against organised crime. However, the final outcome will depend on the evidence, responses submitted by the individuals concerned and the DM's decision after completing the prescribed legal procedure.

HC nixes NIA plea, upholds bail to J&K terror conspiracy accused

New Delhi, Agency: Delhi high court has dismissed NIA's appeal against a trial court order granting bail to an alleged over ground worker in J&K, Mateen Ahmed Bhat, in a terror conspiracy case. A bench of Justices Navin Chawla and Arun Bhardwaj held that the trial court had passed the order after properly considering the restrictions on grant of bail under UAPA and examining whether the accusations against Bhat were prima facie true.

The court further said neither was the bail order a final conclusion on the evidence nor did it discharge the accused. The subsequent framing of charges against Bhat was also deemed irrelevant by the bench while deciding NIA's appeal. The case relates to an alleged larger conspiracy involving the activities of proscribed terrorist organisations and the use of online platforms and local operatives to spread unrest in J&K.

'Couldn't fulfil daughter's wish': Sharmila shifts wedding venue after brother Jagan's refusal



New Delhi, Agency: Andhra Pradesh Congress president YS Sharmila has shifted her daughter's wedding to another venue after her brother, YS Jagan Mohan Reddy, refused to allow his Bengaluru property to be used for the ceremony.In a social media post on X, Sharmila defended her ownership claim over the Yelahanka property and said it was allotted entirely to her and her children as part of the division of family assets after her brother Jagan Reddy became chief minister.

"What is mine is mine, but the greed to covet it is not in my nature. After Jagan Mohan Reddy became chief minister, the Yelahanka property, which until then was a joint family property, came entirely (100 per cent) to my share and that of my children as part of the division of assets. This is the truth, with God as my witness," Sharmila said.

"Since it is my children's right and the house where my father YSR lived, we wanted to hold my daughter Anjili's wedding there, as she had wished. Ask any household in Telugu society, and they will tell you that getting one's daughter married in one's own house is considered a blessing for every parent," she added.

Sharmila said she had decided to organise her daughter's wedding ceremony elsewhere as it was her responsibility to ensure that the event remained free of controversy. "However, we are very saddened that we could not fulfil my daughter's wish to have her wedding at the very house where she grew up. My salutations to everyone who felt concerned about my daughter after seeing the developments taking place over the wedding venue," she said.

Quad flags economic coercion, announces $85 million to expand AI access



New Delhi, Agency: Targeting China's military and economic practices in the Indo-Pacific region, Quad foreign ministers expressed grave concerns regarding economic coercion, including through arbitrary export restrictions as well as non-market policies and practices that result in overcapacity to disrupt global supply chain in critical industries.

In a meeting in Atlanta, Quad also announced plans to provide more than $ 85 million in technical and financial assistance to expand access to "trusted Super Intelligence SI" (using SI to refer to Artificial Intelligence) across the Indo-Pacific. Trump recently signed an executive order to rename AI as SI. The ministers backed ongoing cooperation on critical mineral supply chain and the need to reduce reliance on any single supplier.

The foreign ministers of Australia, India, Japan and the US - Penny Wong, S Jaishankar, Toshimitsu Motegi and Marco Rubio respectively - held the 4th Quad foreign ministers' meeting since the return of President Donald Trump to the White House last year on the margins of a G20 gathering in Atlanta Saturday.